इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

दैनिक अदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर
शुक्रवार, 14 मार्च, 2025

आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

वर्ष-11 । अंक 72 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

अवकाश सूचना
14 मार्च शुक्रवार को आदित्यभारत कार्यालय में होली के पावन पर्व पर अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 16 मार्च को प्रकाशित होगा।
-संपादक

साहित्य पन्ना

आप भी अपनी रचनाएं, लेख, आलेख, विचार हमें लिख कर भेज सकते हैं...

दैनिक अदित्य भारत !! श्रीकृष्ण शरणंमम !! सदैव सत्य के साथ...

रायपुर,इंदौर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

आपके विचार लेख हमारी संपादकीय टीम को उचित लगता है तो जरूर प्रकाशित किया जाएगा...

mail id : editor@adityabharat.com

बाबा महाकाल मंदिर परिसर, उज्जैन में परंपरागत रुप से हर्षोल्लास के साथ होलिका दहन हुआ।

64 साल बाद होली-रमजान का जुमा एकसाथ

UP में मस्जिदें ढंकीं, छत्तीसगढ़ में नमाज का वक्त बदला

एजेंसी ● भोपाल/इंदौर/लखनऊ/रायपुर

14 मार्च को होली और रमजान का जुमा 64 साल बाद एकसाथ पड़ रहे हैं। देशभर में पुलिस-प्रशासन अलर्ट है। उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश में खास व्यवस्था की गई है।

उत्तर प्रदेश में होली से पहले मस्जिदों को तिरपाल से ढंक दिया गया है। शाहजहांपुर में सबसे ज्यादा 67 और संभल में 10 मस्जिदों को ढंका गया है। बरेली में 5 मस्जिदें ढंकी गई हैं। उधर MP में इंदौर के महू में पुलिस ने मुस्लिम समुदाय से अपील की है कि यदि होली के रंगों से दिक्कत हो तो मस्जिदों को प्लास्टिक से कवर कर दें।

छत्तीसगढ़ में जुमे की नमाज के समय में बदलाव किया गया है। होली के दिन मस्जिदों में दोपहर 1 बजे होने वाली नमाज अब 2 से 3 बजे के बीच होगी। सभी मस्जिदों के बोर्ड को पत्र भेजा गया है।

उत्तर प्रदेश: होली से पहले मस्जिदों को तिरपाल से ढंका

होली और रमजान का जुमा एक ही दिन पड़ रहा है। अब से 64 साल पहले 4 मार्च 1961 को होली ऐसा संयोग हुआ था। इसे लेकर UP में पुलिस-प्रशासन हाई अलर्ट पर है। शाहजहांपुर और संभल में मस्जिदों को रंग-गुलाल से बचाने के लिए तिरपाल से ढक दिया गया है। 12 जिलों में जुमे की नमाज का वक्त बदला गया है। इनमें शाहजहांपुर, संभल, जौनपुर, मिर्जापुर, ललितपुर, औरैया, लखनऊ, मुरादाबाद, रामपुर, उन्नाव, बरेली और अयोध्या शामिल हैं। अधिकतर जिलों में अब नमाज 2 से ढाई बजे के बीच पढ़ी जाएगी।

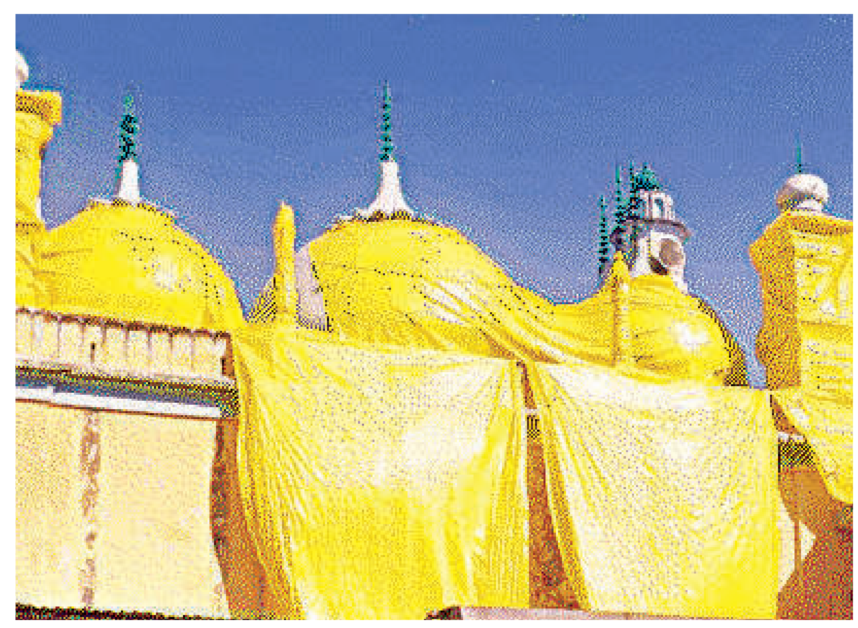

मध्य प्रदेश: पुलिस की हिदायत- रंगों से दिक्कत तो मस्जिदें ढंक लें

इंदौर के महू में रविवार रात हुए विवाद के बाद पुलिस हाई अलर्ट पर है। 21 जगहों पर होलिका दहन होना है। इन इलाकों के आसपास जहां-जहां मस्जिदें हैं, वहां पुलिस ने मुस्लिम समुदाय से कहा है कि यदि होली के रंगों से दिक्कत हो तो उन्हें प्लास्टिक से कवर कर दें। होली पर इंदौर में 2 हजार जवान तैनात किए गए हैं। सभी जोन में 2-2 ड्रोन रहेंगे। 3 से ज्यादा ड्रोन से होली पर संवेदनशील इलाकों में नजर रखी जाएगी।

छत्तीसगढ़: होली के दिन नमाज का वक्त बदला, 48 घंटे अलर्ट

छत्तीसगढ़ में जुमे की नमाज के समय में बदलाव किया गया है। होली के दिन मस्जिदों में दोपहर 1 बजे होने वाली नमाज अब 2 से 3 बजे के बीच होगी। सभी मस्जिदों के बोर्ड को पत्र भेजा गया है। होली के दौरान किसी तरह का विवाद ना हो, इसलिए रायपुर पुलिस भी अलर्ट मोड पर है। त्योहार शांति पूर्वक रहे, इसलिए रायपुर में 80 नाके लगाकर जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि सड़कों पर लगातार 48 घंटे पुलिस मुस्तैद रहेगी।

महाकाल मंदिर में हर्बल गुलाल, इस्कॉन मंदिर में फूलों की होली

गुजरात के गांधीनगर-वडोदरा में 35 फीट ऊंची होली जलाई

एजेंसी ● नई दिल्ली/उज्जैन

देशभर में होलिका दहन किया जा रहा है। वैसे तो रात 11.30 से 12:30 तक होलिका दहन का मुहूर्त बताया गया था, लेकिन देश के कई हिस्सों में गुरुवार शाम होते ही होलिका दहन किया गया।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में मौजूद महाकाल मंदिर में देश में सबसे पहले होलिका दहन किया गया। इसके बाद गर्भगृह में बाबा महाकाल को हर्बल गुलाल लगाया गया। वही गुलाल मंदिर परिसर में मौजूद भक्तों पर भी उड़ाया गया।

गांधीनगर और वडोदरा में 35-35 फीट ऊंची होली जलाई गईं। गांधीनगर के पालज गांव में होलिका दहन की 700 साल पुरानी

परंपरा है। दहन के बाद लोग जलते अंगारों से निकलते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से स्वस्थ रहेंगे।

उत्तर प्रदेश में होली जलाई जा रही है। साथ ही शुक्रवार के लिए भी तैयारियां जोरों पर हैं। स्थिति कहीं बिगड़ ना जाए, इसलिए 14 मार्च को 18 जिलों में जुमे की नमाज का वक्त बदला गया है। चार जिलों में 189 मस्जिदों को रंग-गुलाल से बचाने के लिए तिरपाल से ढका गया है। हजारों पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। ड्रोन से भी संवेदनशील इलाकों पर नजर रखी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश को होली की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने X पोस्ट में लिखा- आप सभी को होली की ढेरों शुभकामनाएं। हर्ष और उल्लास से भरा यह पावन-पर्व हर किसी के जीवन में नई उमंग और ऊर्जा का संचार करने के साथ ही देशवासियों की एकता के रंग को और प्रगाढ़ करे, यही कामना है।

पाकिस्तान में मिलिट्री बेस पर आत्मघाती हमला, कई मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन अपहरण के बाद अब खैबर पख्तूनख्वा सूबे के टैंक जिले में जंडोला मिलिट्री कैंप पर आत्मघातीहुआ है। इस हमले में कई लोगों के मारे जाने की सूचना है। बताया जा रहा है कि एक आत्मघाती हमलावर ने पाकिस्तानी सेना के बेस के अंदर घुसकर खुद को उड़ा लिया। माना जा रहा है कि इस हमले के पीछे अफगान-पाकिस्तान सीमा पर सक्रिय आतंकवादी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का हाथ है। पाकिस्तानी समाचार आउटलेट जियो न्यूज ने बताया कि दक्षिण वजीरिस्तान जिले में फ्रंटियर कॉर्प्स (FC) शिविर के पास आत्मघाती हमले के बाद पाकिस्तानी सेना ने आठ से नौ आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि जंडोला में एक जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी गई, जिसके बाद भारी गोलीबारी हुई। आतंकवादियों ने जंडोला चेकपोस्ट पर हमला करने का प्रयास किया, लेकिन पाकिस्तान सुरक्षा बलों ने उन्हें रोक दिया।

तमिलनाडु सरकार ने बजट से हटा दिया रुपए का सिंबल

द्रमुक नेता के ही बेटे द्वारा बनाए चिह्न से चिढ़े स्टालिन

एजेंसी ● चेन्नई

भाषा विवाद के बीच तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने इस बार राज्य के बजट से '' का सिंबल हटाते हुए उसे '' सिंबल से रिप्लेस कर दिया है। जबकि देशभर में का सिंबल बजट का आधिकारिक प्रतीक है।

के सिंबल को जिस सिंबल से रिप्लेस किया गया है, वह तमिल लिपि का अक्षर 'रु' है। खास बात यह है कि पहली बार किसी राज्य ने के सिंबल में बदलाव किया है।

देश में रुपए ( ) का जो सिंबल है, उसका डिजाइन उदय कुमार धर्मलिंगम ने बनाया था, जो कि पेशे से एक शिक्षाविद और डिजाइनर हैं। उनका डिजाइन पांच शॉर्ट लिस्टेड सिंबल में से चुना गया था। उदय कुमार के मुताबिक उनका डिजाइन भारतीय तिरंगे पर आधारित है। इसमें देवनागरी लिपि के 'र' और रोमन लिपि के 'R' को मिलाकर बनाया गया है, साथ ही एक क्षैतिज रेखा भी शामिल है जो समानता और राष्ट्रध्वज को दर्शाती है। उदय के ये प्रतियोगिता जीतने पर उनके पिता एन धर्मलिंगम ने कहा था कि ये उनके लिए बेहद गर्व का क्षण है। मेरे बेटे ने तमिलनाडु के लिए गौरव लाया है।

द्रमुक नेता के बेटे हैं उदय

यहां हैरान करने वाली बात यह है कि उदय कुमार धर्मलिंगम तमिलनाडु विधानसभा में डीएमके यानी एमके स्टालिन की ही पार्टी से विधायक रह चुके एन. धर्मलिंगम के बेटे हैं। उन्होंने 2010 में इस डिजाइन को बनाया था, जिसे आधिकारिक तौर पर भारत सरकार ने अपना लिया था। उदय कुमार धर्मलिंगम तमिलनाडु के कल्लाकुरिची के रहने वाले हैं और आईआईटी गुवाहाटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत है। उदयकुमार का यह योगदान भारतीय मुद्रा को वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण रहा।

स्पैडेक्स मिशन में कामयाबी, उपग्रह की डी-डॉकिंग सफल

एजेंसी ● नई दिल्ली

इसरो ने गुरुवार को SpaDeX (स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट) सैटेलाइट्स को सफलतापूर्वक अलग (de-dock) कर दिया। यह उपलब्धि भविष्य के चंद्रमा मिशनों, मानव अंतरिक्ष यात्रा और भारत के अपने अंतरिक्ष स्टेशन की राह आसान बनाएगी। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर इसकी घोषणा की।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, स्पैडेक्स उपग्रहों ने अविश्वसनीय डी-डॉकिंग को पूरा किया है। इसरो टीम को बधाई। यह हर भारतीय के लिए खुशी की बात है। इससे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, चंद्रयान 4 और गगनयान सहित भविष्य के महत्वाकांक्षी मिशनों के सुचारू संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। इसरो टीम

को बधाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निरंतर संरक्षण से उत्साह बढ़ता रहता है।

SpaDeX मिशन 30 दिसंबर 2024 को लॉन्च किया गया था। इस मिशन के तहत ISRO ने दो सैटेलाइट्स (SDX01 और SDX02) को कक्षा में स्थापित किया था। इनका उद्देश्य अंतरिक्ष में डॉकिंग (जुड़ने) और फिर अलग होने की तकनीक का परीक्षण करना था। 16 जनवरी 2025 को इन सैटेलाइट्स को सफलतापूर्वक जोड़ा (dock) गया था। अब 13 मार्च 2025 को सुबह 9:20 बजे इसरो ने पहली ही कोशिश में इन्हें अलग करने में सफलता हासिल कर ली।

भविष्य की योजना

इसरो ने बताया कि सैटेलाइट्स अब स्वतंत्र रुप से अपनी कक्षा में घूम रहे हैं और उनकी स्थिति सामान्य है। इस उपलब्धि के साथ, भारत ने अंतरिक्ष में मिलने, जुड़ने और अलग होने की पूरी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक परखा है। आने वाले दिनों में इसरो इन सैटेलाइट्स पर और भी महत्वपूर्ण प्रयोग करेगा। यह पूरा ऑपरेशन बेंगलुरु, लखनऊ और मॉरीशस स्थित ग्राउंड स्टेशनों से नियंत्रित किया गया था।

यह उपलब्धि है खास

इसरो ने बताया कि यह एक किफायती (cost-effective) प्रयोग था, जो भविष्य में भारत के अंतरिक्ष अभियानों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा। अंतरिक्ष में डॉकिंग और डी-डॉकिंग की यह तकनीक भारत के अंतरिक्ष स्टेशन बनाने और मानव मिशनों में अहम भूमिका निभाएगी। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण और संचालन में भी आत्मनिर्भर होंगे। किसी मिशन में एक से अधिक रॉकेट लांच करने पर भी होगी इस तकनीक की जरुरत।

राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र लू की चपेट में

होली के बाद MP समेत 5 राज्यों में गर्मी बढ़ेगी

एजेंसी ● नई दिल्ली

होली के पहले ही गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान के कई इलाके लू की चपेट में हैं। गुजरात-राजस्थान के एक दर्जन से अधिक शहरों में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। कई स्थानों पर तापमान सामान्य से 8.8 डिग्री सेल्सियस तक अधिक है।

गुजरात, महाराष्ट्र व राजस्थान के 17 शहरों में लगातार दूसरे दिन अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ज्यादा दर्ज हुआ। महज 3 साल के अंदर यह दूसरा मौका है जब लू का दौर मार्च के पहले पखवाड़े में आ गया है। 2022 में भी लू का पहला दौर गुजरात में 11 से 19 मार्च के बीच महसूस किया गया था।

हालांकि उस वर्ष होली 8 मार्च को थी। इस बार होली के दिन उत्तर-पश्चिमी भारत में हल्की बारिश के आसार हैं।

शिवाजी राव होलकर ने की पूजा; अहिल्याबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद दहन हुआ

राजवाड़ा पर सरकारी होलिका का दहन

संवाददाता ● इंदौर

पंरपरा

राजवाड़ा पर प्रदोष काल में शाम 7 बजे सरकारी होलिका का दहन किया गया। होलकर राजवंश के शिवाजी राव होलकर (रिचर्ड महाराज) होलिका दहन करने इंदौर पहुंचे। उनके साथ करीब 40 विशिष्ट मेहमान भी थे। इससे पहले शिवाजी राव होलकर ने राजवाड़ा में भगवान के दर्शन कर देवी अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद होलिका की पूजा की। होलिका दहन के बाद राजवाड़ा स्थिति मल्हारी मार्तंड मंदिर में पूजन-अर्चन कर रंग गुलाल खेला गया। इसके बाद अहिल्याबाई की गादी पर चांदी की पिचकारी से रंग डाला गया।

1100 कंडों से होगा होलिका दहन

राजवाड़ा स्थित मल्हारी मार्तंड मंदिर के पुजारी पंडित लीलाधर वारकर ने बताया कि इंदौर में सरकारी होलिका का दहन 1100 कंडों से किया गया। पिछले कई सालों से कंडों से होलिका दहन किया जा रहा है। हर साल की तरह तय समय पर होलिका दहन किया गया।

अहिल्याबाई होलकर के चांदी के बर्तन से पूजन

पंडित वारकर ने बताया अहिल्या बाई होलकर जिन चांदी के बर्तन का इस्तेमाल पूजन में करती थी। उन्हीं चांदी के बर्तनों को होलिका दहन की पूजा में इस्तेमाल किया। इसमें चांदी की थाल, कटोरे, चम्मच, चांदी की पिचकारी, कटोरियां, जलपात्र सहित कई बर्तन है। बुधवार को इन बर्तनों को साफ किया गया। खास बात यह है कि चांदी के कई बर्तनों पर आकर्षक नक्काशी की गई है। ये बर्तन करीब तीन सौ साल पुराने हैं।

दूर-दूर से आते है लोग, महिलाएं करती हैं पूजा - सरकारी होलिका दहन को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। होलिका दहन के बाद इंदौर में कई जगह होलिका दहन किया जाता है। इसके साथ ही सरकारी होलिका दहन होने के बाद कई महिलाएं होलिका की पूजा करती हैं और परिक्रमा करती हैं।

शॉट न्यूज

नशे में दौड़ा रहा था हूटर लगी स्कोर्पियो, पुलिस ने दबोचा

इन्दौर। बीती रात तेजाजी नगर पुलिस ने नशे की हालत में हूटर लगी कार दौड़ा रहे युवक को पकड़ा एवं उसके खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए गाड़ी जब्त की गई। कस्तूरबा चौराहे के समीप देर रात तेजाजीनगर पुलिस द्वारा थाना प्रभारी आदित्य सिंघारिया (भा.पु.से.) के नेतृत्व में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था इस दौरान हूटर (सायरन) लगे हुए वाहन क्रमांक एमपी 13 झेडजी 9770 को चेकिंग पाइंट की तरफ आते दिखाई दी तभी थाना प्रभारी तेजाजीनगर आदित्य सिंघारिया (भा.पु.से.) के द्वारा चेकिंग में लगे बल को उक्त वाहन को रोकने के लिये आदेशित किया गया जिसे चेकिंग में लगे अधिकारी कर्मचारियों ने मौके पर ही रोका तभी उसमे बैठे वाहन चालक ने अपना नाम आजाद पिता दिलीप राव उम्र 29 साल निवासी अनुराधा नगर थाना तेजाजी नगर इन्दौर का होना बताया गया।

महिला की घर के बाहर खड़ी एक्टिवा में लगाई आग

इंदौर। लसूड़िया इलाके में बदमाश द्वारा एक महिला की घर के बाहर खड़ी स्कूटर में बदमाश ने पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। घटना के बाद आरोपी का भागते हुए वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया। अब पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक गाड़ी में आगजनी की घटना स्कीम 78 इलाके की है, जहां रहने वाली संजना गोलिया की शिकायत पर क्षेत्र के ही राज खटीक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। संजना ने पुलिस को शिकायत में बताया कि रात्रि करीब 8 बजे मैनें मेरी एक्टिवा एमपी 09 यूबी 2851 खड़ी कर घर के अंदर चली गयी थी। रात्रि करीब 3.30 बजे हमें किसी चीज के फूटने की आवाज आई। बाहर आकर देखा तो किसी व्यक्ति ने मेरी एक्टिवा में पेट्रोल डालकर आग लगा दी जिससे मेरी एक्टिवा में काफी नुकसान हुआ है।

मल्हारगंज क्षेत्र में हुड़दंगियों ने वाहनों में की तोड़फोड़

इंदौर। होली के त्योहार को देखते हुए पुलिस शहर ने शहर में हुड़दंगियों और असामाजिक तत्वों की धड़पकड़ के लिए मुहिम छेड़ रखी है। इसके बावजूद हुड़दंगियों के हौसले बुलंद है। मल्हारगंज क्षेत्र में हुड़दंगियों ने आधा दर्जन वाहनों के शीशे तोड़ दिए। इस घटना से रहवासियों में नाराजगी है। अभी तक पुलिस घटना के आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। सीसीटीवी फुजेट के आधार पर बदमाशों की पहचान की जा रही है। होली का त्योहार आते ही कई असामाजिक तत्व चंदे के नाम पर रहवासियों को परेशान करना शुरू कर देते हैं। ज्यादा चंदा नहीं देने पर फिर परेशान किया जाता है। इसके अलावा त्योहार के समय नशे में भी कई लोग उत्पात मचाते हैं। मल्हारगंज क्षेत्र में बुधवार रात बदमाशों ने सड़क पर खड़े वाहनों के कांच फोड़ दिए।

पालदा एवं अनेक स्थानों पर गोकाष्ठ तथा गोबर के कंडों से किया होलिका दहन

संवाददाता ● इंदौर

कार्यक्रम

अग्रवाल समाज हाई वे क्षेत्र पालदा के तत्वावधान में आज शाम वरुण विक्ट्री रहवासी संघ की मेजबानी में वरुण विक्ट्री परिसर में 10 क्विंटल गोकाष्ठ एवं गाय के गोबर के कंडों से श्रृंगारित निर्मित होलिका का दहन किया गया। इस मौके पर सैकड़ों समाजबंधुओं ने पहले गोमाता का पूजन कर शास्त्रोक्त विधि से होलिका एवं भक्त प्रहलाद का पूजन भी किया। कार्यक्रम में हाई वे क्षेत्र संगठन के प्रमुख संस्थापक अरविंद बागड़ी के साथ रहवासी संघ की ओर से वरूण बागड़ी, रजत चौधरी, राजेश बंसल, मनीष मन्नू अग्रवाल, सतीश गोयल, विकास मित्तल, दिलीप अग्रवाल पालदा, मुकेश मंगल, लव अनिल अग्रवाल बड़वाह, नारायण ऐरन, मोहन गर्ग, मनीष अग्रवाल ताप्ती, आशीष शर्मा, नवीन पुरोहित, मुकेश झंवर, निखार बंसल सहित क्षेत्र के समाजबंधुओं ने होलिका का विधिवत पूजन-अर्चन किया और परंपरागत विधि से होलिका दहन स्थल की परिक्रमा भी की। मातृशक्ति की ओर से भी होलिका का पूजन कर दहन के पश्चात होली ठंडी करने की रस्म निभाई जाएगी।

इस अवसर पर बागड़ी जो म.प्र. वैश्य महासम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री भी हैं, ने बताया कि शहर के अनेक प्रमुख वैश्य संगठनों ने भी गुरुवार को गोकाष्ठ एवं गोबर के कंडों से श्रृंगारित होलिका का दहन किया । शहर में एक दर्जन से अधिक वैश्य संगठनों की ओर से गोकाष्ठ की होली का दहन करने का निश्चय किया गया था और उसके अनुरूप आज शुभ मुहूर्त में होलिका दहन की रस्म संपन्न की गई। दहन में किसी भी तरह की लकड़ी एवं अन्य पदार्थों का उपयोग वर्जित रखा गया था। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से इस संकल्प की शहर में विभिन्न संगठनों द्वारा प्रशंसा की गई है।

माहेश्वरी समाज की परंपरागत फाग यात्रा में शामिल होगी फूलों-गुलाल उड़ाती तोप

इंदौर। माहेश्वरी समाज के युगलों एवं परिवारजनों सहित परंपरागत फाग यात्रा संस्था माहेश्वरी कुटुम्ब के तत्वावधान में रविवार, 16 मार्च को सांय 5 बजे से गुमाश्ता नगर स्थित मुकुट मांगलिक भवन से प्रारंभ होकर नरेन्द्र तिवारी मार्ग, उषानगर, रणजीत हनुमान, स्कीम 71, गुमाश्ता नगर होते हुए पुनः मुकुट मांगलिक भवन पहुंचेगी। फाग यात्रा में शहर के लगभग सभी क्षेत्रों के माहेश्वरी बंधु, आदिवासी लोक नर्तक, फूलों की वर्षा करने वाली तोपगाड़ी, मांदल की थाप पर नृत्य करने वाले भगोरिया के आदिवासी, ऊंट गाड़ी के अलावा भजन एवं गरबा मंडल भी शामिल रहेंगे। इस दौरान, माहेश्वरी दम्पति पूरी मस्ती के साथ अलग-अलग वेशभूषा में फाग गीतों पर नाचते-गाते हुए शामिल होंगे। माहेश्वरी कुटुम्ब के प्रमुख संस्थापक प्रकाश-शारदा अजमेरा ने बताया कि माहेश्वरी समाज के युगलों की यह परंपरागत फाग यात्रा बाने की शक्ल में रविवार को राधाकृष्ण के फाग गीतों, आदिवासी कलाकारों की मांदल पर नाचते-गाते और भगौरिया के आदिवासी लोक नर्तकों के साथ रंग-गुलाल एवं फूलों की वर्षा करते हुए संपन्न होगी। तोप से फूलों एवं गुलाल की वर्षा के बीच यह यात्रा पूरे क्षेत्र में नागरिकों का अभिवादन करते हुए अनेक आकर्षणों के साथ नरेन्द्र तिवारी मार्ग, उषानगर, रणजीत हनुमान, स्कीम 71, गुमाश्ता नगर होते हुए पुनः मुकुट मांगलिक भवन पहुंचेगी। इसके पूर्व शहर के विभिन्न अंचलों से समाजबंधु अपरान्ह 4 बजे से मुकुट मांगलिक भवन पहुंचना शुरू हो जाएंगे, जहां स्वल्पाहार के पश्चात इस रंगारंग बाने का शुभारंभ होगा। बाने में अनेक समाजबंधु देवी-देवताओं, फकीर, राजा एवं अन्य स्वांग रचकर अनूठी वेशभूषा में शामिल होंगे। कार्यक्रम की दिव्यता को देखते हुए संचालन समिति का गठन किया गया है।

सीआईआई द्वारा उद्योगों को सशक्त बनाने तीन दिवसीय एआई इमर्जन प्रोग्राम

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में हुआ आयोजन

संवाददाता ● भोपाल

कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज द्वारा उद्योगों को सशक्त बनाने के लिए तीन दिवसीय एआई इमर्जन वीक का आयोजन स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय (एसजीएसयू) परिसर में गया है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में एक्सपर्ट ट्रेनर द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही मार्केटिंग, फाइनेंशियल मैनेजमेंट, सायबर सिक्योरिटी और बिजनेस प्लानिंग के क्षेत्र में एआई के उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी साझा की गई जिससे उद्योग के विभिन्न आयामों को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके और उच्च उत्पादकता को प्राप्त कर सकें। इस कार्यशाला के तहत अपग्रेड की ओर से प्रतिभागियों को सर्टिफिकेशन प्रदान किया गया। इस तीन दिवसीय वर्कशॉप में प्रत्येक दिवस दो बेचेज को ट्रेनिंग दी गई जिसमें तीन घंटे की मास्टर क्लास शामिल रही। इसमें विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मूलभूत जानकारी समेत कई टूल्स के प्रभावी उपयोग की जानकारी साझा की जिससे उद्यमी अपने कार्यों को बेहतर तरीके से संचालित कर सकें।

इस पहल पर स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स का महत्व बढ़ता जा रहा है ऐसे में एआई संबंधित कौशल विकास आज की मूलभूत आवश्यकता बन गया है। वहीं एसजीएसयू के कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा और कुलगुरू डॉ. विजय सिंह ने कहा कि बढ़ते एआई के महत्व के मद्देनजर हम एआई के क्षेत्र में कई पहल कर रहे हैं। सीआईआई के साथ एआई वर्कशॉप इसी कड़ी में एक पहल है।

सांई-राम महोत्सव की धूम, प्रभातफेरी में भक्तों ने खेली होली

संवाददाता ● इंदौर

प्रभातफेरी

इंदौर में श्री केंद्रीय सांई सेवा समिति धार्मिक एवं मानव सेवा ट्रस्ट ने 26 दिवसीय सांई-राम महोत्सव का शुभारंभ किया। छावनी स्थित पारसी मोहल्ले से भव्य प्रभातफेरी निकाली गई। होलिका दहन के दिन गुरुवार को निकली इस प्रभातफेरी में होली का रंग छाया रहा। भक्तों ने सांई बाबा को गुलाल लगाया और एक-दूसरे के साथ होली का आनंद लिया। प्रभातफेरी में आतिशबाजी और गाजे-बाजे की धूम रही। इस दौरान भक्तों को रामनवमी पर बड़ा गणपति क्षेत्र से निकलने वाली शोभायात्रा का निमंत्रण भी दिया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष गौतम सुरेंद्र पाठक और आयोजक भूरू यादव ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत पंडितों की उपस्थिति में महाआरती से हुई। स्थानीय लोगों ने अपने घरों के बाहर पांच दीप और रंगोली सजाकर प्रभातफेरी का स्वागत किया। महिलाओं ने आरती कर शहर की समृद्धि की कामना की। युवाओं ने प्रभातफेरी में सामाजिक संदेश भी दिए। स्वच्छ इंदौर, जल संरक्षण और बेटी बचाओ जैसे विषयों को उठाया गया। बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां भी शामिल हुईं। वे सांई बाबा के भजनों पर नृत्य करती हुई चल रही थीं। प्रभातफेरी पारसी मोहल्ला, छावनी और मुराई मोहल्ला सहित आसपास के क्षेत्रों में घूमी। कार्यक्रम का समापन रामद्वारा मंदिर में हुआ, जहां प्रसाद का वितरण किया गया।

मल्हारगंज में 58 साल से होलिका दहन

इंदौर। मल्हारगंज चौराहे पर शास्त्री नवयुवक मंडल की ओर से होलिका दहन की परंपरा 58 वर्षों से जारी है। इस परंपरा की शुरुआत 1965 में रुग्गा पहलवान ने की थी। अब उनके पुत्र हुकम यादव और कार्तिक यादव इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। समाजसेवी मदन परमालिया ने बताया कि इस वर्ष के होलिका दहन कार्यक्रम में लोकप्रिय कवि और पूर्व विधायक पं. सत्यनारायण सत्तन ने हिस्सा लिया और पूजा की। इस अवसर परप उन्होंने देश में अमन-चैन की प्रार्थना की और परंपरा के ऐतिहासिक महत्व को याद किया। होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस अवसर पर लोग अपने भीतर की बुराई को जलाने और अच्छाई को बढ़ावा देने का संकल्प लेते हैं। यह त्योहार समाज में सद्भाव बढ़ाने का संदेश देता है।

परिजन समझते रहे त्वचा संबंधी बीमारी, 10 लाख में से एकाध व्यक्ति को प्रभावित करता

अत्यंत दुर्लभ स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम से 22 साल की युवती की मौत

संवाददाता ● इंदौर

रितिका बॉम्बे हॉस्पिटल में डॉ. मनीष जैन की देखरेख में इलाज किया जा रहा था।

मौत

बॉम्बे अस्पताल में दुर्लभ और गंभीर स्किन डिसीज स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम से एक युवती (22) की बुधवार को मौत हो गई। यह सिंड्रोम 10 लाख में से एकाध व्यक्ति को प्रभावित करता है। शुजालपुर निवासी रितिका मीणा पिछले एक महीने से अधिक समय से इलाज करा रही थी। 26 फरवरी को दूसरी बार अस्पताल में एडमिट हुई थी।

रितिका बॉम्बे हॉस्पिटल में डॉ. मनीष जैन की देखरेख में इलाज किया जा रहा था। साथ में डर्मेटोलॉजिस्ट, हेमेटोलॉजिस्ट, प्लास्टिक सर्जन और इन्फेक्शियस डिजीज एक्सपर्ट्स भी शामिल थे। डॉक्टरों ने बताया कि शुजालपुर में ही उसकी हालत काफी खराब हो गई थी। डॉ. मनीष जैन (आईसीयू), डॉ. अविनाश जैन (पल्मोनोलोजिस्ट), डॉ. अंकेश गुप्ता (इंफेक्शियस डिजीज एक्सपर्ट), डॉ. योगेश टटवाड़े (प्लास्टिक सर्जन) और डॉ. विनय वोरा (हेमेटोलॉजिस्ट) सहित विशेषज्ञों की एक टीम ने उसे बचाने के लिए काफी प्रयास किया, लेकिन बचाया नहीं जा सका। मृतिका अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी। परिवार ने आरोप लगाया कि बीमारी की शुरुआती स्थिति में उन्हें मिला। उन्होंने बताया रितिका को पहले स्किन पर जलन हुई, जो बाद में फफोले में बदल गई। शुरू में शुजालपुर में स्थानीय डॉक्टरों को दिखाया लेकिन दवाओं से कोई फायदा नहीं हुआ, इसके बाद हालत बिगड़ती गई। उसके शरीर पर फफोले फैल गए और स्किन छिलने लगी। उसकी हालत खराब होते देख उसे 8 फरवरी को इंदौर के बॉम्बे अस्पताल में एडमिट किया। तब उसमें दुर्लभ बीमारी का पता चला था। इसके बाद 14 फरवरी को छुट्टी दे दी गई, लेकिन उसकी हालत फिर से बिगड़ गई।

हर साल 10 लाख में एक-दो मामले

डॉ. मनीष जैन के मुताबिक स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम एक अत्यंत दुर्लभ बीमारी है। हर साल 10 लाख में से एकाध को यह बीमारी होती है। इसमें स्किन और झिल्ली को प्रभावित करती है। इससे छाले, स्किन का छिलना आदि से दर्द होने लगता है। ऐसे में समय पर इसकी पहचान और तुरंत इलाज जरुरी है।

दवाइयों के रिएक्शन के कारण होता - डॉ. जैन के मुताबिक एसजेएस सबसे आम तौर पर दवाइयों के रिएक्शन के कारण होता है। हालांकि कोई भी दवा एसजेएस को ट्रिगर कर सकती है। कुछ दवाएं अक्सर इस स्थिति से जुड़ी होती हैं, इनमें एंटीबॉयोटिक्स, एंटीकॉन्वल्सेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाएं शामिल हैं। एसजेएस आमतौर पर बच्चों और युवा वयस्कों में देखा जाता है, लेकिन किसी भी उम्र में हो सकता है।

स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम के लक्षण

एसजेएस के शुरुआती लक्षण अक्सर फ्लू जैसे होते हैं। इसमें बुखार, गले में खराश, खांसी और जोड़ों में दर्द शामिल है। कुछ दिनों बाद, स्किन पर चकते और छाले होना शुरु हो जाते हैं। ये चकते शरीर पर कहीं भी दिखाई दे सकते हैं और गंभीर सनबर्न या खुले घावों की तरह महसूस हो सकते हैं। जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती है, स्किन छिलने लगती है। इस दौरान मुंह, होंठ, गले और चेहरे पर सूजन आ जाती है।

स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम का इलाज

एसजेएस इलाज के लिए मेडिकल, स्किन, आई स्पेशलिस्ट्स की जरुरत होती है। मरीज की हिस्ट्री जानी जाती है। कई बार स्किन की बायोप्सी की जाती है। इसके इलाज के गहन देखभाल की आवश्यकता होती है। स्किन के नुकसान के कारण मरीज को IV लगाई जाती है। दर्द को कम करने और संक्रमण को रोकने के लिए ठंडी सिकाई, क्रीम और पट्टियों का उपयोग किया जाता है। शुरुआती दौर में इम्युनोग्लोबुलिन थेरेपी या हाई डोज स्टेरॉयड दिए जा सकते हैं।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शुक्रवार, 14 मार्च, 2025
www.adityabharat.com

दोपहर में सताने लगी गर्मी

मार्च में पारा 41.1 डिग्री तक पहुंच चुका

संवाददाता ● इंदौर

शहर में मार्च के दूसरे हफ्ते में मौसम का रुख कड़ा होता जा रहा है। इंदौर में मार्च से गर्मी का असर तेज होने लगता है। पिछले सप्ताह बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 4 डिग्री कम था वहीं इस बुधवार बढ़कर 37.2 (+4)। इंदौर में मार्च माह में सामान्य तापमान 33 डिग्री रहता है, लेकिन 133 साल पहले यहां दिन का पारा 41.1 डिग्री तक पहुंच चुका है, जो 28 मार्च 1892 को दर्ज किया गया था। इन दिनों आसमान साफ होने से गर्मी का असर दिखाई दे रहा है। गुरुवार को भी मौसम साफ रहा। मौसम वैज्ञानिकों ने एक-दो दिन तापमान और इजाफा होने का अनुमान जताया है। पिछले दो दिनों से दिन का पारा 37 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड हुआ है। इस दौरान 12 बजे से शाम 4 बजे तक खासी गर्मी का एहसास हो रहा है। इंदौर में 5 मार्च को दिन का तापमान 28.4 (-4) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। इसके बाद से लगातार इजाफा हो रहा है। 12 मार्च को दिन का तापमान 37.2 (+4) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।

41.1 डिग्री तक पहुंच चुका पारा

इंदौर में मार्च से गर्मी का असर तेज होने लगता है। 133 साल पहले यहां दिन का पारा 41.1 डिग्री तक पहुंच चुका है, जो 28 मार्च 1892 को दर्ज किया गया था। केवल गर्मी ही नहीं 4 मार्च 1898 को रात में पारा 5 डिग्री सेल्सियस तक भी रहा है । वहीं 24 घंटे में करीब एक इंच बारिश होने का भी रिकॉर्ड है। मौसम विभाग के अनुसार मार्च में 2 से 3 दिन बारिश होती है। कभी-कभी धूल भरी हवा की रफ्तार भी तेज होती है।

डीएवीवी के एमबीए छात्रों की कॉपियां मोबाइल दुकान पर पड़ी मिली

डीएवीवी के एमबीए छात्रों की कॉपियां मोबाइल दुकान पर पड़ी मिली

संवाददाता ● इंदौर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के एमबीए छात्रों की कॉपियां एक मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान पर पड़ी मिलने से हड़कंप मच गया। यह वही कॉपियां हैं जिनमें कुछ दिन पूर्व ही हुई परीक्षा में छात्रों द्वारा लिखा गया था। उन्हें चेक भी कर लिया गया था। डीएवीवी के परीक्षा विभाग को जैसे ही यह जानकारी मिली तो उन्होंने तत्काल एक कमेटी बनाकर कॉपियों को जब्त करने के लिए दल भेज दिया था। मोबाइल दुकान से कॉपियों के दो बंडल जब्त हुए हैं। एडवोकेट अभिजीत पांडे ने बताया कि उनको सूचना मिली थी कि एमबीए के फर्स्ट सेमेस्टर के छात्रों की परीक्षा की कॉपियों के दो बंडल सुदामा नगर की मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान पर पड़े हैं। इस पर उन्होंने परीक्षा नियंत्रण अशेष तिवारी को शिकायत की। उसके बाद परीक्षा विभाग ने एक टीम दुकान पर भेजी और उन कॉपियों को जब्त किया।

एलएनसीटी कॉलेज की शिक्षिका की भूमिका संदेहास्पद - उन्होंने बताया कि एलएनसीटी कॉलेज की शिक्षिका सारिका जिंदल के परिचित की दुकान सुदामा नगर में मोबाइल रिपेयरिंग के नाम से है। सारिका को डीएवीवी के परीक्षा विभाग द्वारा सप्ताहभर पहले ये कॉपियां जांचने के लिए दी थीं। उसने उन कॉपियों को चेक किया और फिर उन्हें यूनिवर्सिटी में जमा करवाने के बजाए दुकान पर ही छोड़ दिया।

जांच कमेटी की रिपोर्ट पर करेंगे कार्रवाई

एग्जाम कंट्रोलर अशेष तिवारी का कहना है कि इस मामले में हमें जैसे ही सूचना मिली तो हमने ओएसडी को मौके पर भेजा और कॉपियां बुलवा लीं। कॉपियां पूरी तरह से सही सलामत मिली हैं। इसको लेकर जांच कमेटी गठित कर दी है। कमेटी पूरे मामले की जांच कर रही है। इसमें एक महिला शिक्षिका की भूमिका मिली है। उसके भी बयान लिए गए हैं। उसने बताया कि कॉपियों को वह यूनिवर्सिटी में जमा करवाने वाली थी, लेकिन कुछ काम आ जाने से उसने इन कॉपियों को दुकान पर ही रख दिया था। अब जांच कमेटी अपनी रिपोर्ट देगी। उसके बाद मामले में दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

गोपनीय सामग्री बाहर आना संदेहास्पद

शिक्षिका ने जरूर अपने बयान में कहा है कि ये कॉपियां जांचने के बाद उसने दुकान पर रखवाई थी, लेकिन सूत्रों की मानें तो शिक्षिका दुकान पर बैठकर ही इन कॉपियों की चेकिंग कर रही थी। ऐसे में डीएवीवी यूनिवर्सिटी की गोपनीयता भी संदेह के घेरे में है।

शॉट न्यूज

64 लाख की ब्राउन शुगर कर साथ एक आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। परदेशीपुरा थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। जहां पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसके कब्जे से 64 लाख रुपए की ब्राउन शुगर बरामद की गई है। आरोपी स्कॉर्पियो से नशा सप्लाय करने निकला था जिसे राजकुमार सब्जी मंडी इलाके से गिरफ्तार किया गया है। दरअसल होली पर्व पर होने वाली वॉटर डांस पार्टी और होली के इवेंट में खपाने के लिए बड़ी मात्रा में नशे की खेप इंदौर पहुंचती है। इसी कड़ी में परदेशीपुरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक काले रंग की स्कॉर्पियो से नशे की खेप देने पहुंच रहा है। जिसके बाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में जांच शुरू की और काले रंग की स्कॉर्पियो दिखाई दी, जिसमें बैठे युवक को नीचे उतारकर जांच की गई तो उसके पास से 255 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर मिली।

छत्रीपुरा पुलिस ने थाने लाकर गुंडों से पकड़वाए कान

इंदौर। पुलिस कमिश्नर के दौरे के बाद छत्रीपुरा पुलिस का एक्शन मोड ऑन नजर आने लगा है। छत्रीपुरा पुलिस कल दो दर्जन बदमाशों को पकड़कर थाने लाई, जहां बदमाशों की परेड करवाकार उनसे कान पकड़वाकर अपराध से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। छत्रीपुरा टीआई केपी यादव द्वारा इलाके के बदमाशों के खिलाफ विशेष मुहिम चलाई गई, जिसके तहत 24 गुंडे- बदमाशों को थाने पर लाया गया, जहां उन्हें रेड व येलो नोटिस तामिल करवाए गए। इस दौरान छत्रीपुरा पुलिस ने बदमाशों की परेड के साथ ही कान पकड़ाकर अपराध से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। 24 में से 15 बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई व 9 बदमाशों को रेड व येलो नोटिस थमाए गए। पुलिस की इस प्रभावी कार्रवाई से इलाके के बदमाशो में हड़कंप मचा रहा।

प्रापर्टी डीलर पर आरोप, नाबालिग थी जब से कर रहा है दुष्कर्म

इंदौर। जूनी इंदौर पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर एक प्रापर्टी ब्रोकर के खिलाफ बलात्कार का प्रकरण दर्ज किया है। पिछले 10 सालों से युवती प्रापर्टी ब्रोकर के ब्लैकमेल का शिकार हो रही थी। बताते है कि जूनी इंदौर पुलिस ने 25 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर प्रापर्टी ब्रोकर शहजाद पटेल निवासी नायता मुंडला के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2015 में जब वह नाबालिग थी तो सपना-संगीता रोड के एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी में रिसेप्शन पर काम करती थी, इसी दौरान आरोपी शहजाद का वहां आना-जाना था। एक दिन वह ऑफिस आया तो नाश्ता और कोल्ड्रिंग लाया था। कोल्ड्रिंक पीने के बाद वह होश भूल गई। होश आया तो उसे उसके साथ दुष्कर्म का पता चला। आरोपी शहजाद ने दुष्कर्म के दौरान उसका वीडियों भी बना लिया।

सीआईआई द्वारा उद्योगों को सशक्त बनाने तीन दिवसीय एआई इमर्ज़न प्रोग्राम

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में हुआ आयोजन

संवाददाता ● भोपाल

कार्यक्रम

कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज द्वारा उद्योगों को सशक्त बनाने के लिए तीन दिवसीय एआई इमर्ज़न वीक का आयोजन स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय (एसजीएसयू) परिसर में गया है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में एक्सपर्ट ट्रेनर द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही मार्केटिंग, फाइनेंशियल मैनेजमेंट, सायबर सिक्योरिटी और बिजनेस प्लानिंग के क्षेत्र में एआई के उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी साझा की गई जिससे उद्योग के विभिन्न आयामों को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके और उच्च उत्पादकता को प्राप्त कर सकें। इस कार्यशाला के तहत अपग्रेड की ओर से प्रतिभागियों को सर्टिफिकेशन प्रदान किया गया। इस तीन दिवसीय वर्कशॉप में प्रत्येक दिवस दो बेचेज को ट्रेनिंग दी गई जिसमें तीन घंटे की मास्टर क्लास शामिल रही। इसमें विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मूलभूत जानकारी समेत कई टूल्स के प्रभावी उपयोग की जानकारी साझा की जिससे उद्यमी अपने कार्यों को बेहतर तरीके से संचालित कर सकें। इस पहल पर स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स का महत्व बढ़ता जा रहा है ऐसे में एआई संबंधित कौशल विकास आज की मूलभूत आवश्यकता बन गया है। वहीं एसजीएसयू के कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा और कुलगुरू डॉ. विजय सिंह ने कहा कि बढ़ते एआई के महत्व के मद्देनजर हम एआई के क्षेत्र में कई पहल कर रहे हैं। सीआईआई के साथ एआई वर्कशॉप इसी कड़ी में एक पहल है।

गाइडलाइन बढ़ाने की मांग, 16 को धरना प्रदर्शन

इंदौर। किसानों की मांग है कि उन्हें एक दशक से ज्यादा समय हो गया है, खेती की जमीन की गाइडलाइन नहीं बढ़ाई गई है। शहरी क्षेत्र में तो जमीनों की कीमत और गाइडलाइन हर साल बढ़ाई जाती है, जमीन अधिग्रहण करने के दौरान किसानों को मुआवजा एक दशक से पहले की गाइडलाइन पर मिलता है, जो कि गलत है। ऐसी कई समस्याओं को लेकर 16 मार्च को किसान धरना प्रदर्शन करेंगे। इंदौर विकास प्राधिकरण एवं अलग-अलग योजनाओं में जमीन अधिग्रहण को लेकर किसान शुरू से ही नाराजगी जताते आए हैं। किसानों ने यह भी मांग की कि इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पद पर ग्रामीण पृष्ठभूमि के व्यक्ति को मनोनीत किया जाए। किसान नेता हंसराज मंडलोई का कहना है कि सरकार व प्राधिकरण विभिन्न योजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण कर रहा है।

रतलाम शहर काजी के पत्र पर मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा

भोपाल। बहू संख्यक समाज को चीढ़ाने की कोशिश नहीं होना चाहिए। होली का त्योहार हमारी संस्कृति से जुड़ा हुआ वह पर्व है जिसको हर धर्म और हर समाज के लोग मनाते हैं। आपको रंग से अगर कोई दिक़्क़त है तो आप उस समय मत निकालिए। आपको कोई निमंत्रण नहीं दे रहा है कि आप होली होली खेलिए ही। मगर कोई अगर होली खेल रहा है उसके रंग में भंग भी मत डालिए।

बाइट- मंत्री विश्वास सारंग

राजवाड़ा पर हुआ ऐतिहासिक होलिका दहन

300 साल पुराने बर्तनों से हुई पूजा

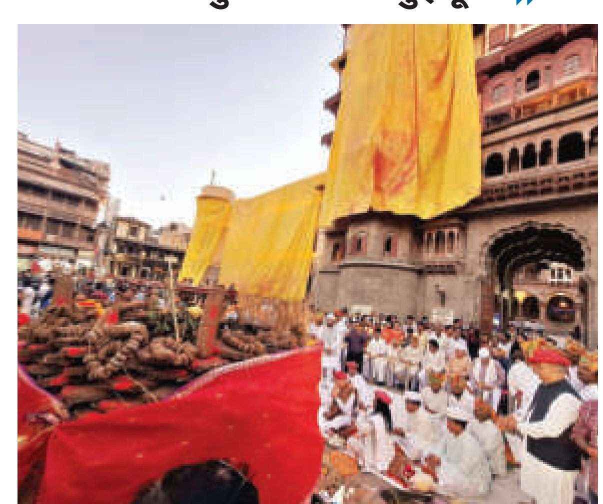

संवाददाता ● इंदौर

राजवाड़ा पर प्रदोष काल में शाम 7 बजे सरकारी होलिका का दहन किया गया। होलकर राजवंश के शिवाजी राव होलकर (रिचर्ड महाराज) होलिका दहन करने इंदौर पहुंचे। उनके साथ करीब 40 विशिष्ट मेहमान भी थे। वहीं इंदौर के सांसद शंकर लालवानी और महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी इस दौरान मौजूद थे। होलिका दहन के बाद सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। होलिका दहन के लिए 1100 कंडों का उपयोग हुआ और पूजा में देवी अहिल्या बाई होलकर के 300 साल पुराने चांदी के बर्तनों का उपयोग किया गया।

राजवाड़ा पर होलिका दहन में होलकर राजवंश के वंशजों के साथ करीब 40 विशिष्ट मेहमान भी इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल हुए। इस वर्ष के सरकारी होलिका दहन में पहली बार होलकरों राजवंश के वंशजों ने राजवाड़ा स्थित भगवान मल्हारी मार्तंड के दर्शन किए और फिर देवी अहिल्या बाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात होलिका दहन की पूजा विधिवत रूप से प्रारंभ की गई। निर्धारित समय के अनुसार ठीक 7 बजे होलिका दहन संपन्न किया गया। होलिका दहन के बाद सभी लोगों ने उक्त मंदिर में भगवान की आराधना की और रंग-गुलाल खेला। इसके अतिरिक्त देवी अहिल्या बाई होलकर की गादी पर चांदी की पिचकारी के माध्यम से रंग डाला गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और आगंतुक उपस्थित रहे।

1100 कंडों से किया होलिका दहन

मल्हारी मार्तंड मंदिर के पुजारी पं. लीलाधर वारकर ने बताया कि इंदौर में सरकारी होलिका का दहन 1100 कंडों से किया गया। इंदौर में यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जिसमें हर साल होलिका दहन के लिए कंडों का उपयोग किया जाता है। इस वर्ष भी निर्धारित समय पर ही होलिका दहन की प्रक्रिया पूरी हुई। पं. वारकर ने बताया कि होलिका दहन की पूजा में देवी अहिल्या बाई होलकर द्वारा प्रयुक्त चांदी के बर्तनों का उपयोग किया गया।

गेर मार्ग और शहर के मध्य क्षेत्र की सिवरेज लाइन और आवश्यक अन्य कार्य पूर्ण करें : आयुक्त

संवाददाता ● इंदौर

बैठक

होली और रंगपंचमी त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए शहर के मध्य क्षेत्र एवं गेर मार्ग को लेकर सिटी ऑफिस में आयुक्त शिवम वर्मा ने समीक्षा बैठक ली। बैठक में स्मार्ट सिटी के अधिकारी, इंजीनियर, पीएचई के अधिकारी कंसल्टेंट व एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। आयुक्त वर्मा द्वारा आगामी होली और रंगपंचमी त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए निर्देश दिए कि शहर के मध्य क्षेत्र एवं गेर मार्ग में आने वाली सीवरेज लाइन, वाटर सप्लाई लाइन, स्टॉर्म वाटर लाइन, रोड की मरम्मत का कार्य आगामी 3 दिवस में अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए। गेर के दौरान नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए, कहीं कोई खुला चैंबर हो तो उसे बंद कर दें, यूटिलिटी लाइन यदि बाहर हो तो उसे अंदर करने का कार्य पूर्ण कर लें, रोड मरम्मत की आवश्यकता हो तो मरम्मत कर दें। कोई खतरनाक मकान हो तो उससे दूर रहने की सूचना फ्लैक्स बोर्ड लगाकर दें।

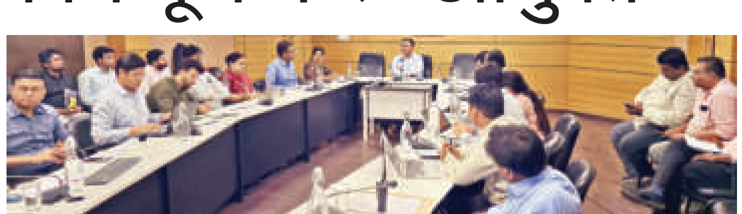

विभिन्न विभागों के बजट के संबंध में बैठक

सामान्य प्रशासन प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया ने महापौर सभा कक्ष में विभिन्न विभागों, जिम स्थापना शाखा, सेंट्रल स्टोर, विधि विभाग, जनसंपर्क विभाग, परिषद कार्यालय, खेल प्रकोष्ठ, प्राणी संग्रहालय के बजट पर चर्चा की। इस अवसर पर सामान्य प्रशासन समिति सदस्य भारतसिंह रघुवंशी, संगीता महेश जोशी, मलखान सिंह कटारिया, भावना चौधरी, गुरजीत कोर, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, मनोज पाठक, शैलेष अवस्थी, उपायुक्त प्रदीप जैन, उपायुक्त, सचिव राजेंद्र गैरोठिया, समिति सचिव एवं अन्य विभाग अधिकारी उपस्थित थे।

नगर अध्यक्ष ने कलेक्टर को लिखा पत्र, दी चेतावनी

भाजपाई कर रहे जावरा कंपाउंड की शराब दुकान हटाने की मांग

भाजपा की शहर इकाई के नए अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कलेक्टर आशीष सिंह को पत्र लिखकर मांग की कि 1 अप्रैल से जावरा कंपाउंड स्थित शराब दुकान को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट किया जाए।

संवाददाता ● इंदौर

चेतावनी

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने इंदौर के जावरा कंपाउंड स्थित शराब दुकान को हटाने की मांग की है। नए वित्त वर्ष में यह दुकान नहीं हटाई गई, तो आंदोलन की चेतावनी दी है। जावरा कंपाउंड में भाजपा कार्यालय के पास स्थित इस शराब दुकान का संचालन एक मार्केट में किया जाता है।

जब आकाश विजयवर्गीय विधायक थे, तब उन्होंने भी इस दुकान को हटाने की अनुशंसा की थी, क्योंकि यह उनके कार्यालय के पास स्थित थी। हालांकि, उस समय प्रशासन ने किसी भी शराब दुकान को नहीं हटाया और यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया। अब यह मामला फिर से गरमा गया है। भाजपा की शहर इकाई के नए अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कलेक्टर आशीष सिंह को पत्र लिखकर मांग की कि 1 अप्रैल से जावरा कंपाउंड स्थित शराब दुकान को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट किया जाए। इस संबंध में मिश्रा और कलेक्टर के बीच चर्चा भी हो चुकी है। साथ ही, मिश्रा ने पार्टी नेताओं को स्पष्ट कर दिया है कि यदि प्रशासन ने इस दुकान को नहीं हटाया, तो आंदोलन किया जाएगा। बताया जाता है कि रात के समय शराब खरीदने वाले कई लोग समीप स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमा के आसपास बैठकर शराब का सेवन करते हैं, जिससे माहौल खराब होता है।

पार्षद ने दी 7 दिन की चेतावनी

इधर महापौर परिषद के सदस्य और वार्ड 64 के पार्षद मनीष शर्मा मामा ने कलेक्टर को पत्र लिखकर तीन इमली चौराहा और साजन नगर में संचालित शराब दुकानों को हटाने की मांग की है। मनीष मामा के अनुसार, तीन इमली चौराहा और आसपास की कॉलोनियों में बड़ी संख्या में महिलाएं और स्कूली बच्चे रोजाना आते-जाते हैं, लेकिन शराब दुकानों के बाहर सड़क पर ही खुलेआम शराब पी जाती है, जिससे महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं होती हैं। इसके अलावा, शराब लेने आने वाले लोग सड़क पर गाड़ियां खड़ी कर देते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे क्षेत्र के निवासियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। मनीष मामा ने बताया कि इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव को भी ज्ञापन सौंपा जाएगा। कलेक्टर आशीष सिंह को पत्र लिखकर हालात से अवगत कराया गया है। अगर 7 दिन के भीतर दुकानें नहीं हटाई गईं तो आंदोलन किया जाएगा।

हमारे समाज में पितृसत्ता की जड़ें गहरी, आम बोलचाल से जाहिर होती रहती हैं

हाल ही में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान एक बड़े नेता को कहते सुना कि विपक्षी पार्टियां ह्यविधवा विलापह्ल कर रही हैं। ह्यविधवा विलापह्ल जितनी बार भी सुनने को मिला है, उतनी बार दिल दहल जाता है कि कैसे ये लोग इतनी ू२४''८ इस मुहावरे का इस्तेमाल कर लेते हैं। इसका शाब्दिक अर्थ देखें तो एक विधवा यानी जिसके पति की मृत्यु हो चुकी हो, उस महिला के विलाप यानी रोने या दुख, संताप करने से है। लेकिन जितनी बार भी इस मुहावरे को इस्तेमाल होते सुना है, नेगेटिव सेंस में या व्यंग्य के तौर पर ही सुना है। विधवा विलाप जैसा मुहावरा न सिर्फ यह दिखाता है कि इसे इस्तेमाल करने वाला कितना असंवेदनशील है, बल्कि यह हमारे समाज में गहराई तक जमी हुई पितृसत्ता की जड़ों को भी उजागर करता है। इस मुहावरे का उपयोग, खासकर सार्वजनिक और राजनीतिक चचाओं में होता है। यह एक ऐसी मानसिकता का परिणाम है, जो महिलाओं के दुख, उनकी असहायता और उनके संघर्षों को या तो तुच्छ मानती है या उपहास का विषय बनाती है।

यह मुहावरा, शायद उस समय गढ़ा गया, जब विधवाओं को हर तरह के अधिकारों और अवसरों से वंचित रखा गया। यह मूलतः पितृसत्ता की उस सोच को दशार्ता है जो महिलाओं को सिर्फ एक पुरुष के सहारे पर निर्भर समझती थी। ऐसे में उस दौर में पति यानी उसके मालिक की मृत्यु के बाद बेहद असहाय होकर रोने को ह्यविधवा विलापह्ल कहा गया होगा। फिर सामने आईं राजा राम मोहन राय जैसी हस्तियां। 1828 में ब्रह्म समाज की स्थापना के बाद राजा राममोहन राय ने बाल विवाह, पर्दा प्रथा, सती प्रथा जैसी अमानवीय प्रथाओं को रोकने के लिए काम किया। सोचिए आज से लगभग 150 साल पुरानी बात है ये।लेकिन आज जब हम 2025 में कदम रख चुके हैं, महिलाएं अपनी काबिलियत साबित कर रही हैं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं और समाज के हर क्षेत्र में अपनी जगह बना रही हैं, तब भी इस तरह के मुहावरे का

> **महिलाएं अपनी काबिलियत साबित कर रही हैं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं और समाज के हर क्षेत्र में अपनी जगह बना रही हैं, तब भी इस तरह के मुहावरे का इस्तेमाल होना सिर्फ और सिर्फ इस बात का सबूत है कि पितृसत्तात्मक सोच अब भी हमारी भाषा और व्यवहार में कितनी गहराई से धंसी हुई है।नेताओं से अपील है कि एक ्झ दूसरे पर कीचड़ उछालने के लिए मगरमच्छी आंसुओं जैसे शब्दों का उपयोग कहीं अधिक उपयुक्त होगा।**

इस्तेमाल होना सिर्फ और सिर्फ इस बात का सबूत है कि पितृसत्तात्मक सोच अब भी हमारी भाषा और व्यवहार में कितनी गहराई से धंसी हुई है।नेताओं से अपील है कि एक ्झ दूसरे पर कीचड़ उछालने के लिए मगरमच्छी आंसुओं जैसे शब्दों का उपयोग कहीं अधिक उपयुक्त होगा। लेकिन ह्यविधवा विलाप का चयन यह दिखाता है कि हमारा समाज अभी भी महिलाओं की वास्तविकता को समझने और उन्हें सम्मान देने में कितना पीछे है। हमारी भाषाई संस्कृति ऐसी कहावतों से भरी पड़ी है, जो महिलाओं के प्रतीकों को कमजोर, हास्यास्पद या तुच्छ मानकर उनका इस्तेमाल करती हैं, चूड़ियां पहन लीं क्या? पुरुष की मर्दानगी को चुनौती देने के लिए भारत के कोने-कोने में आसानी से सुनने को मिल जाती है ये कहावत। अब सोचिए, चूड़ियां पहनने में गलत क्या है? क्या ये कहावत उन करोड़ों महिलाओं को नीचा दिखाने की कोशिश नहीं है जो हर दिन इन्हीं चूड़ियों को पहनकर अपने परिवार, करियर और समाज की जिम्मेदारियां बखूबी निभाती हैं? पुरुषों की भावनाओं को दबाने और उनकी संवेदनशीलता पर सवाल उठाने के लिए कहा जाता है, ह्यऔरतों की तरह रो मत।ह्य अगर घर के कामों में हाथ बंटाने की बात हो, तो व्यंग्यात्मक रूप से कहा जाता है,क्या घर बैठकर रोटी बेलोगे?क्या चुगली करोगे, औरतों की तरह? अब यह कहावत अपने आप में इतना बड़ा झूठ है कि पूछिए मत। चुगली तो हर कोई करता है दफ्तर में बॉस की चुगली से लेकर चाय की दुकान पर बैठे लोग तक। लेकिन जैसे ही किसी के चुगली करने की बात सामने आती है, उसे ह्यऔरतों का कामह्ल बताकर मजाक उड़ाया जाता है।चाहे वह पुरुष हो या महिला, सबको अपनी भावनाएं जाहिर करने का हक है। लेकिन अगर कोई पुरुष रोता है, तो लोग कहते हैं, ह्यऔरतों की तरह रो मत।ह्य ऐसा कहने का मतलब क्या है? क्या पुरुषों को दुखी होने का हक नहीं है? और अगर महिलाएं रोती हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि उनकी भावनाएं महत्वहीन हैं? ऐसी कहावतें न सिर्फ महिलाओं को तुच्छ दिखाती हैं, बल्कि पुरुषों पर भी यह दबाव डालती हैं कि वे हमेशा कठोर, भावनाहीन और ताकतवर बने रहें।

संत वचन

यही कारण है कि प्रभु ने उन फरीसियों की आलोचना की और उन्हें उनके व्यवहार के लिए फटकार लगाई, जिसे उन्होंने इस प्रकार उजागर किया कि यह उनके पूर्वजों और पूर्वजों द्वारा दिखाए गए व्यवहार से मिलता-जुलता था, जो प्रभु और उनकी सच्चाई पर भरोसा करने के बजाय अपनी इच्छाओं, अपनी समझ और चीजों की व्याख्या के अनुसार चलने की उनकी जिद थी। उनका अभिमान और अहंकार, महत्वाकांक्षाएं और इस दुनिया की इच्छाएं उन्हें गलत रास्ते पर ले गईं और उन्हें प्रभु से और भी दूर कर दिया, क्योंकि उन्होंने प्रभु के लिए अपने दिल और दिमाग के दरवाजे बंद कर दिए थे। यह वह रवैया है जो प्रभु नहीं चाहते कि हममें से कोई भी रखे, ताकि हम यह न सोचें कि हमारे तरीके और पद्धतियां बेहतर हैं या हम अपने आस-पास के लोगों की तुलना में किसी तरह बेहतर और श्रेष्ठ हैं। इसके बजाय, ईसाइयों के रूप में, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि हम विनम्र रहें और दूसरों की बात सुनने के लिए तैयार रहें, खासकर भगवान की बात सुनने में।

दुकान पर बैठने के लिए बाल तक कटवा लिए थे लीना ने

एडिट.नोट

खारीबावली का नाम लेते ही ड्राई फ्रूट्स की एक से बढ़कर एक वैरायटी, मसालों की बेहतरीन खुशबू से लेकर किराने के सामान की दुकानें याद आ जाती हैं। इन्हीं के बीच गड़ोदिया मार्केट की मेन रोड पर 6624 नंबर वाली हिना ट्रेडर्स नाम की दुकान पर आपको ड्राई फ्रूट्स और मसालों की वैरायटी बेचती नजर आएंगी लीना चौहान।लीना की उम्र तीस साल है और वह यहां पर तब से दुकान संभाल रही हैं जब वह दसवीं कक्षा में थीं। बातचीत में लीना बताती हैं, यह दुकान हमारे घर के ठीक नीचे ही है। इसकी शुरूआत हमारे परदादा जी ने की थी। तब यहां पर बावड़ियां हुआ करती थीं। यानी आज हमारी चौथी पीढ़ी इसे संभाल रही है। हमारे यहां ड्राईफ्रूट्स की तमाम वैरायटी से लेकर तरह-तरह के मसाले मिलते हैं।

इतनी छोटी उम्र में आपका दुकान पर आना कैसे हुआ, इस सवाल पर लीना बताती हैं, जब मैं नौवीं क्लास में थी, तो पिताजी किशन सिंह चौहान का असमय स्वर्गवास हो गया। इसके बाद कुछ समय मां मंजू चौहान ने काम संभाला। हम तीन बहनें हैं, जिनमें मैं सबसे बड़ी थी और तब नौवीं में पढ़ रही थी। हमारा काम रिटेल का है तो मैंने काम देखना शुरू किया। दोपहर तक स्कूल और बाकी समय दुकान पर बैठना शुरू किया। दसवीं की परीक्षा सिर पर आई तो मेरे लिए एग्जाम सेंटर तक जाना भी भारी पड़ गया। काम देखूं या सेंटर तक जाने की भागदौड़ करूं। नतीजतन पढ़ाई आगे न हो सकी। मुझे पूरी तरह खुद को काम के लिए समर्पित करना पड़ा। मैंने भी सोचा कि अगर मेरी एक की कमाई में अगर बाकी दो बहनें सही से पढ़ पा रही हैं तो गलत क्या है? आज मेरी दोनों छोटी बहनें पढ़-लिखकर शादी करके सेटल हो चुकी हैं। एक तो कथक डांसर भी है।आप कब तक शादी करने की सोच रहीं, इस सवाल पर लीना बताती हैं, एक सपोर्टिव पार्टनर का इंतजार है। असल में यही सोचकर लोग रिश्ता करने से हिचक जाते हैं कि लड़की को दुकान पर बैठना पड़ता है। अभी लोगों की सोच इतनी नहीं खुली कि वे बहू को इस रूप में आसानी से अपना लें।

इतने बड़े बाजार में एक महिला का कारोबार करना कितना मुश्किल होता है, इस सवाल पर लीना कहती हैं ्झ दिक्कतें आती हैं। मुझे भी आईं। लोग ह्यलड़की हैह्ल सोचकर गंभीरता से नहीं लेते थे इसलिए मेरी मां ने मेरे लंबे बाल काट डाले। मैं भी लड़कों की तरह पैंट-शर्ट पहनकर दुकान पर बैठने लगी। मुझे लगता है कि कहने को ह्यलेडीज फर्स्टह्ल कहा जाता है पर असल जिंदगी में ऐसा नहीं होता। खासकर कारोबार जगत में। एक जगह मैं एक संत के मुख से सुन भी रही थी कि लोग ये तो चाहते हैं कि उनकी बहू चांद पर जाए पर चांद पर जाने से पहले घर वालों के लिए रोटी-सब्जी बनाकर जरूर जाए। मुझे याद है, मैंने एक लेडी हेल्पर अपने साथ रखी थी। वह अपने साथ घर से सब्जी लेकर आती थी और दुकान पर खाली टाइम पर उसे काटती थी। पूछने पर कहती ्झ घर पहुंचने में लेट हो जाता है इसलिए अभी से तैयारी करके रखना चाहती हूं। मेरा कहना यह है कि जो लोग यह कहते हैं कि एक लड़की होने के नाते आपके रास्ते आसान हो जाते हैं तो ऐसा नहीं है।आपका दिन भर का रुटीन कैसा रहता है, इस सवाल पर लीना बताती हैं ्झ मैं रोज सुबह आठ बजे दुकान खोल लेती हूं और रात आठ बजे ही दुकान बढ़ाती हूं। काम चूंकि रिटेल का है और सुबह जल्दी खोलने से बिक्री थोड़ा ज्यादा हो जाती है, इसलिए सुबह जल्दी दुकान पर बैठती हूं। हां इतनी व्यस्त दिनचर्या रहती है कि फ्रेंड सर्किल मेंटेन नहीं कर पाती। दोस्त बनाओ तो उनके साथ घूमने-फिरने भी जाना होता है जिसके लिए मेरे पास टाइम नहीं। इसी चक्कर में स्कूल की सहेलियां भी छूटती गईं। एक तरह से अब कारोबार से ही दोस्ती कर ली है।

स्वतंत्र - लेखक

ताज और मोहब्बत दोनों को निगल गया प्रदूषण

अपुन ने जबसे दिल्ली दर्शन का प्लान बनाएला है, तबसे सर्किट का बिहेवियर एकदम चेंज हो गयेला है। चिरकुट ने बताया कि सर्किट का रिलेशनशिप एक बार फिर डेंजर जोन में है। उसने घूमने का प्लान जइसे इच पिंकी को बताया, उसी दिन से सब गड़बड़ हो गयेला है। पिंकी वो लड़की है, जिससे सर्किट शादी बनाना मांगता है पर पिंकी नहीं मान रयेली है। अब मालूम नहीं क्या हुआ कि सर्किट अपुन के पीछे पड़ा है कि दिल्ली चलो घूमने के वास्ते जल्दी। बोलता है मुन्ना भाई, अपुन की गर्लफ्रेंड है ना पिंकी, उसका ऑर्डर आया है। बोल रयेली है, फोटो खिंचाके आना इंडिया गेट और ताजमहल के आगे, नहीं तो शादी नहीं करूंगी। डंप कर दूंगी।

दो रुपये की चाय को एक फिलॉस्फर की तरह घूरने वाले चमन चिरकुट की नींद टूटी। बोला, अबे, पलूशन के शहर में जा रहे हो? वहां फोटो खिंचाने से पहले कैमरे पर विंडशील्ड और वाइपर लगाना पड़ेगा! पर इन सब बातों का सर्किट के भेजे पर कोई असर नहीं हुआ। तो बस अगले दिन सुबह अपुन सर्किट और चिरकुट के साथ मुंबई से निकला दिल्ली की ओर। सर्किट का दुख-दर्द सुनते-सुनते मालूम नहीं कब अपुन का सिरदर्द करने लगा और कब गला खिचखिच करने लगा और कब ट्रेन रुक गई। अपुन ने बोला कि ये ट्रेन काइकू रुक गयेली है देख ना, अपुन के सिर में हेडेक हो रयेला है। वो बोला, भाई वेलकम टु दिल्ली। दिल्ली आने से पहले ये हेडेक और गले की खिचखिच आ जाए तो समझने का कि दिल्ली आ गयेला है।

नवंबर का महीना है भाई, यहां की हवा में फॉग है और ठंड भी, चिरकुट बोला। उधर सर्किट स्लो मोशन में रनिंग करता हुआ दिखा। बोलता है, मुन्ना भाई अपुन का तो मामला सेट लगता है। क्या मस्त मूवीज के माफिक वेदर है यहां का। हिंदी गानों में ड्रीम सीक्वेंस वाला धुआं छोड़ने की जरूरत नहीं। सब नेचुरल फ्री में मिल रयेला है दिल्ली में। चलो अब इंडिया गेट चलते हैं और पिंकी की पहली शर्त पूरी कर देते हैं।अपुन लोग ऑटो पकड़ के इंडिया गेट पहुंचे तो चमन ने आंख मसलते हुए पूछा, भाई, इंडिया गेट कहां है? ऋद्धर कह रहा है कि यहीं है, पन अपुन कू काइकू नहीं दिख रयेला है। अरे वो पीछू देख, धुएं के पीछे वो जो स्मोक के बादल लगे हैं ना, उदर कुछ दिख रयेला हैङ्क शायद इंडिया गेट की परछाई है, अपुन बोला। पर मुन्ना भाई परछाई के साथ फोटो कइसे आएगी? अपुन इदर पिकनिक समझ के आ गए, पन इधर तो पलूशन वाला धुएं ने सबकुछ गायब कर दियेला है। अक्खा राष्ट्रपति भवन गायब है। बहुत हुआ दिल्ली दर्शन, सर्किट बोला। चलो अब आगरा चलते हैं। इंडिया गेट ना सही पर मोहब्बत की निशानी ताजमहल के आगे फोटो खिंचा के अपुन पिंकी प्रॉमिस तो पूरा कर लेगा।

आगरा पहुंच के सर्किट का सपना चकनाचूर हो गया। मुन्ना भाई, ये तो ताजमहल का स्मोक वर्जन लग रयेला है। अब क्या होगा? तभी चमन ने आइडिया दिया कि फोटो खिंचा ले और एडिट कर दे। पीछे ताज की क्लियर फोटो गूगल से निकाल के अपने फोटो के पीछे चिपका और पिंकी को भेज दे। वो क्या जानेगी तूने उसको पाने के वास्ते झूठा फोटो बनाया! सर्किट को आइडिया जम गया और उसने फोटो भेजके चैन की सांस ली। पन पिंकी डेढ़ शाणी निकली। तुरंत कॉल करके बोली, अबे सर्किट अपुन कू येड़ी समझा क्या, ये कौन सा ताज है? अपुन ने न्यूज में देखा कि पूरा नॉर्थ इंडिया धुएं में लिपटा है। फिर तूने फोटो किदर खिंचाई? धोखेबाज। और इस तरह मोहब्बत की निशानी ताजमहल के साथ साथ सर्किट की मोहब्बत को भी निगल गया पलूशन।

बिजनेस. न्यूज

दाल-दलहनों में कारोबार कमजोर

व्यापार प्रतिनिधि ● इंदौर

स्थानीय छावनी अनाज मंडी में दाल-दलहनों में व्यापार सुस्त है। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक की मंडियों में तुवर की आवक धीरे-धीरे बढ़ रही है जबकि मांग कम होने से भाव घटाकर बोले जा रहे है। व्यापारियों का कहना है कि होली अवकाश और मार्च एंड के कारण अगले 2 सप्ताह व्यापार की गति सुस्त रह सकती है। चना दाल और बेसन में उपभोक्ता ग्राहकी कम है। वहीं 28 फरवरी तक बीएल मटर आयात समय सीमा बढ? से चने में छोटे स्टॉकिस्टों की खरीदी कमजोर हो गई है। मिलों में भी आवश्यकता पूर्ति हेतु खरीदी कर रही है। ऑस्ट्रेलिया चना के जहाज भी भारत पोर्ट पर पहुंच रहे है। ऐसे में चने की बढ़ती आवक के दबाव से कीमतों में और गिरावट की संभावना है। उड़द के शुल्क मुक्त आयात की समय सीमा बढ? से उड़द में ग्राहकी पिछले दो दिनों से कमजोर हो गई है। उड़द आयात की समय सीमा बढ? से बर्मा से बिकवाली का दबाव कम होने की उम्मीद है।

दलहन-चना कांटा नया 5700-5750डंकी चना 5000-5100नया विशाल 5400-5450मसूर नई 6100तुवर नई महाराष्ट्र सफेद 7000महाराष्ट्र लाल 7000-7100कर्नाटक 7100-7200नई निमाड़ी 6500-6800मूंग 8100-8200 एवरेज 7000-7500मूंग बोल्ड बारिश 8000-8400उड़द बेस्ट 8000-8200उड़द मीडियम 6000-7500 हलका 3000-5000 रुपए,कंटेनर में डॉलर चना 42/44 10700, 44/46 10450, 50/52 9550, 58/60 8250 60/62 8100 रुपए प्रति क्विंटल।

दालें-चना दाल 6900-7100 मीडियम 7400-7500 बेस्ट 7600-7700मसूर दाल 7500-7600 बेस्ट 7700-7800मूंग दाल 9400-9500 बेस्ट 9600-9700मूंग मोगर 10000-10100 बेस्ट 10200-10400तुवर दाल 8500-8600 मीडियम 9700-9800 बेस्ट 10300-10400ए. बेस्ट 11300-11400ब्रांडेड व्हाइटरोज तुवर दाल नई 11700उड़द दाल 9000-9200 बेस्ट 9300-9600उड़द मोगर 10300-10400 बेस्ट 10600-10700 रु. प्रति क्विंटल। अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2875-2900, लोकवन 3100-3150, (147) 2900-3200, एवरेज 2700-2800, मालवराज 2975-3000, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3400-4000, ज्वार देशी 2500-2650, मक्का पीली 2375-2400, रुपए क्विंटल।

चावल -बासमती (921) 10500-11500, तिबार 9000-10000, बासमती दुबार पोनिया 8000-8500, मिनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, बासमती सेला 6500-9000 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7000, दुबराज 4000-4500, परमल 3400-3500, हंसा सेला 3500-3700, हंसा सफेद 2900-3100, पोहा 4500-5100 रुपए क्विंटल।

, बेस्ट 1150 से 1450, मखाना 1175 से 1170 बेस्ट 1650 से 1675, पिस्ता ईरानी 1400-1450 मीडियम 1450-1500 बेस्ट 1525-1550, कंधारी मोटा 2150-2250 पिस्ता पिशोरी 2475-2600 नमकीन पिस्ता 850 से 900, अखरोट 475 से 550, बेस्ट 600 से 625, अखरोट गिरी 675 से 875 बेस्ट 1050 से 1250, जदार्लू 350 से 450, बेस्ट 550 केसर 165 से 175 बेस्ट 190 से 193 रुपए।

राज-काज

बाजार घटे तो ग्राहकी बढने की उम्मीद

इंदौर। स्थानीय सराफा बाजार में होली के माहौल के चलते कारोबार सुस्त है। हालांकि सोने एवं चांदी के बाजार उच्च स्तरों से घटकर सतत दबाव में दिख रहे हैं । सराफा व्यवसायी नीलेश सारड़ा के अनुसार ट्रंप की अफलातून बयान बाजी एवं टेरिफ से पूरे विश्व को धमकाने की नीति और फिर सौदेबाजी का रास्ता अपनाया है, जिससे जो उठा पटक जनवरी एवं फरवरी में देखी गई थी, उस पर अब लगाम लगी है और बाजरो में अब सामान्य तेजी मंदी का दौर शुरू हो गया है। अगर भाव 2-3 फीसद घट जाते है, तो होली के बाद अच्छी ग्राहकी रहने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2910$ ऊपर में 2912 नीचे में 2879 डॉलर ड्लर प्रति औंस व चांदी 3245, ऊपर में 3253, नीचे में 3180 सेंट पर है। इंदौर सराफा- सोना केडबरी नकद में 87600, सोना आरटीजीएस 88000, सोना 22 कैरेट (जीएसटी सहित) 79800 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी नकद 97300, चांदी आरटीजीएस में 97700, चांदी टंच 97400 रुपए प्रति किलो।

कालीमिर्च तेज, बादाम में शार्टेज

इंदौर। गोले का उठाव सुस्त होने से कट्टों में 19,500 रुपए प्रति क्विंटल के पूर्वस्तर पर ही बना रहा। हाल ही में इसमें 500 रुपए की तेजी आई थी, जिससे बाजार मजबूत है। कालीमिर्च के दाम बढ़ाकर बोले जा रहे है। फरवरी में कैलिफोर्निया से बादाम कम आई है, जिससे भाव 20 रुपए तक बढ़ाकर बोले जा रहे है। हालांकि तेजी वाले भावों में उठाव कम है। शकर में मांग कमजोर बनी हुई है जिसके चलते भाव में मंदी का रुख जारी रहा। कारोबारियों के अनुसार कर्नाटक और तमिलनाडु में कालीमिर्च का स्टॉक काफी हद तक सिमट चुका है और श्रीलंका से कालीमिर्च की आयात लागत ऊंची बैठने क कारण भारतीय बाजारों में इसके दाम लगातार बढ़ते जा रहे है। इंदौर में पिछले आठ दिनों में कालमिर्च के दाम करीब 50-60 रुपए प्रति किलो तक उछल चुके है। कोच्चि के टर्मिनल मार्केट में नए माल की आवक बहुत कम हो रही है। अब उत्तरी भारत के दिसावरी व्यापारियों ने कालीमिर्च की खरीद में दिलचस्पी दिखानी शुरू कर दी है।

शकर 4120-4140 बेस्ट क्वालिटी 4160-4190, गुड़ भेली 3500-3600, कटोरा 3700-3800, लड्डु 4100-4200, बर्फी 5500, गिलास 4600-5000 रुपए क्विंटल।शकर-शकर 4180-4190 बेस्ट क्वालिटी 4200-4230, गुड़ भेली 3500-3600, कटोरा 3700-3800, लड्डु 4100-4200, बर्फी 5500, गिलास 4600-5000 रुपए क्विंटल।

नारियल-नारियल 120 भरती 2450-2500, 160 भरती 2850-2900, 200 भरती 3150-3200, 250 भरती 3250-3300 रुपए प्रति बोरी। खोपरा गोला बाक्स में 165-205, कट्टे में 155-160 रुपए प्रति किलो बोला गया। खोपरा बूरा 3600-5700 रुपए प्रति (15 किलो)।

पूजन सामग्रीः देशी कपूर 700 से 710, पूजा बादाम 115 से 125, बेस्ट 220 से 230, पूजा सुपारी 425 से 450, अरीठा 180 रुपये। केसर 155 से 191, रुपए प्रति ग्राम, सिंदूर (25 किलो) 7450 रुपए।

साबूदाना-सच्चामोती एगमार्क (500) 5940, एगमार्क (500 ग्राम) 6070 साबूदाना चक्र एगमार्क 5950, गोपाल लूज (25 किलो) 5400, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम)- 9300 रुपये। रायलरतन साबूदाना (1 किलो) 5850, व लूज 5350, मोरधन 10500 सच्चामोती (रजिस्ट्र) (1 किलो) 5700 व (500 ग्राम) 5760, लूज 5200 पोहा एक किलो 5800 व 35 किलो पैकिंग में 4800 व मोरधन 9500 रुपये। मसाले-कालीमिर्च 715-720, मिनिमटर 740 -750, मटरदाना 770 - 795 हल्दी निजामाबाद 150 से 200, हल्दी सांगली 250 से 255, जीरा 245 से 255, मीडियम 260 से 275, बेस्ट 290 से 300, सौंफ मोटी 100 से 125, बेस्ट 240 से 285, एक्सट्रा बेस्ट 310 से 350।

सीबॉट सोया तेल में घटा

व्यापार प्रतिनिधि ● इंदौर

सीबॉट सोया तेल में गिरावट और यूएसडीए द्वारा अर्जेंटीना में उत्पादन के अनुमान को 81.3 लाख टन से बढ़ाकर 83.8 टन करने के कारण अर्जेंटीना में सोया तेल के एफओबी भी कमजोरी रहा। ट्रम्प की पॉलिसी की अनिश्चिता के चलते दुनिया के मार्केट में उठा-पटक के कारण मांग में सुस्त है। भारत में ऊंचे भाव के साथ केएलसी और अन्य खाद्य तेलों में नाजुक सेंटीमेंट के कारण पाम तेल की डिमांड कमजोर है जिससे दाम कुछ कमजोर देखने को मिले है। इंदौर में पाम तेल घटकर 1417 रुपए प्रति दस किलो रह गया। वहीं सोयाबीन तेल में सीमित पूछताछ रहने से भाव मजबूती बोले गए। सोयाबीन तेल इंदौर 1285-1290 रुपए प्रति दस किलो बोला गया। वहीं सोयाबीन में भी प्लांटों की लेवाली अच्छी रहने से भाव कुछ मजबूत बोले गए। मार्च के अंत तक खाद्य तेल में 2-3 रुपए प्रति किलो से अधिक रिकवरी की उम्मीद कम है। कपास्या खली की आवक मांग के अनुरूप नहीं होने से भाव में तेजी की स्थिति बनी हुई है।

तिलहन-सोयाबीन 4050, सरसों निमाड़ी (बारीक) 5700-5800 रायडा 5500-5600 रुपए प्रति क्विंटल।

खाद्य तेल-मूंगफली तेल इंदौर 1380-1400मुंबई मूंगफली तेल 1420इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 1285-1290इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1225-1230इंदौर पाम 1417मुंबई सोया रिफाइंड 1320मुंबई पाम तेल 1360,राजकोट तेलिया 2205गुजरात लूज 1350-1375कपास्या तेल इंदौर 1270 रुपए प्रति दस किलो।

सोयाबीन प्लांट-इंदौरः अवि उज्जैन 4100 बेतूल ऑयल सतना 4175 बेतूल ऑयल 4125 धानुका सोया नीमच 4160, धीरेंद्र सोया नीमच 4180, दिव्य ज्योति 4065 गुजरात अंबुजा, मंदसौर 4050 हरिओम रिफाइनरी अमृत मंदसौर 4160, केएन एग्री इटारसी 4040, आइडिया लक्ष्मी देवास 4050, खंडवा ऑयल 4085, मित्तल सोया देवास 4090, एमएस साल्वेंक्स नीमच 4175, नीमच प्रोटीन 4150 पतंजलि फूड 4060, प्रकाश पीथमपुर 4125 प्रेस्ट्रीज ग्रुप देवास 4075, रामा फास्फेट, धरमपुरी 4000, राम जानकी एग्रीट्रेड, देवास 4125, आरएच सॉल्वेक्स सिवनी 4225, सांवरिया इटारसी 4125, सोनिका बायोकेम, मंडीदीप 4125, वर्धमान सॉल्वेंट अंबिका, कालापीपल 4170 विप्पी सोया देवास 4110 रुपए प्रति क्विंटल।

.कपास्या खली- (60 किलो भरती) इंदौर 2000 देवास 2000 उज्जैन 2000 खंडवा 1975, बुरहानपुर 1975, अकोला 2800 रुपए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने मॉरीशस समकक्ष नवीन रामगुलाम के साथ मॉरीशस में सर शिवसागर रामगुलाम बॉटनिकल गार्डन में पौधा लगाते हुए।

अमेरिकी विवि के हिंदी अध्ययन दल का मानव संग्रहालय भोपाल में भ्रमण

संवाददाता ● भोपाल

भ्रमण

अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों के हिंदी अध्ययन से जुड़े 20 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज भोपाल स्थित मानव संग्रहालय का भ्रमण किया। यह दौरा न्यू जर्सी स्थित युवा हिंदी संस्थान और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के संयुक्त प्रयास से विकसित फुलब्राइट-हेस जी पी ए हिंदी पाठ्यक्रम निर्माण परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस अध्ययन-दौरे में अमेरिका की प्रतिष्ठित संस्थाओं—न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास-ऑस्टिन, मैकमिलन सेंटर (येल यूनिवर्सिटी), ड्यूक यूनिवर्सिटी, और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी—के हिंदी के प्राध्यापक और विद्यार्थी शामिल हुए।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य अमेरिकी हिंदी भाषा शिक्षकों और शिक्षक-प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और लोक कथाओं का गहन अध्ययन कराना है, ताकि वे अमेरिका लौटकर हिंदी भाषा में उत्कृष्ट पाठ्यक्रम विकसित कर सकें। इस अध्ययन यात्रा के संयोजक डॉ. जवाहर कर्नावट, निदेशक, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र भी अमेरिकी हिंदी दल के साथ संग्रहालय आये । संग्रहालय के जनसंपर्क अधिकारी श्री हेमंत बहादुर सिंह परिहार एवं डा मोहनलाल ने अमेरिका के हिंदी प्राध्यापकों को संग्रहालय की वीथि संकुल अंतरंग प्रदर्शनी का अवलोकन कराते हुए भारत की वैविद्य पूर्ण जनजातीय एवं लोक संस्कृति के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्रदान की। संग्रहालय के निदेशक प्रोफेसर अमिताभ पांडे ने बताया "यह अध्ययन-दौरा भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं के विविध पक्षों को समझने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे अमेरिका में हिंदी शिक्षा को नए आयाम मिलेंगे।" आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त को एक समाचार के रूप में आपके लोकप्रिय समाचार पत्र में प्रकाषित करने की कृपा करें।

लोक अदालत में बिजली संबंधी 20 हज़ार से अधिक

प्रकरणों में प्रदान की गई 10 करोड़ 86 लाख से अधिक की छूट

भोपाल। गत आयोजित नेशनल लोक अदालत में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल एवं ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों में विद्युत संबंधी 20 हजार 893 प्रकरणों का निराकरण करते हुए, विद्युत उपभोक्ताओं को 10 करोड़, 86 लाख, 14 हजार रूपए की छूट प्रदान करते हुए, कुल 28 करोड़ 11 लाख, 75 हजार रूपये का राजस्व कंपनी के खाते में जमा कराए गए हैं। लोक अदालत में नियमानुसार भोपाल क्षेत्र के अंतर्गत लिटिगेशन एवं प्रिलिटिगेशन के कुल 11 हजार 493 मामलों में 21 करोड़ 06 लाख 85 हजार की मांग के एवज में 06 करोड़, 09 लाख, 06 हजार रूपये की छूट प्रदान करते हुए 14 करोड़ 97 लाख 79 हजार की राशि कंपनी के खाते में जमा कराई गई है। इसी प्रकार ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत लिटिगेशन एवं प्रिलिटिगेशन के कुल 9 हजार 400 मामलों में 17 करोड़ 91 लाख 70 हजार की मांग के एवज में 4 करोड़ 77 लाख 74 हजार रूपये की छूट प्रदान करते हुए 13 करोड़ 13 लाख 95 हजार रूपये की राशि जमा कराई गई है। पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में लोक अदालत के दौरान बिजली कंपनी के 38 करोड़ 98 लाख रूपए से अधिक राशि के प्रकरणों का समाधान हुआ है। कि कंपनी द्वारा वितरण केन्द्र स्तर तक लोक अदालत के लिए प्रभावी तैयारी की गई थी। लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों में समझौता किया गया। प्री लिटिगेशन के माध्यम से निराकरण के लिए निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट प्रदान की गई। प्री लिटिगेशन स्तर सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट मिली, जबकि लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट की तैयारी की गई थी।

सिंहस्थ प्रबंधन से जुड़े सभी कार्य जून 2027 तक करें पूर्ण

सिंहस्थ - 2028 के लिए अभी से करें माइक्रो प्लानिंग : सीएम यादव

संवाददाता ● भोपाल

बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सरकारी विभागों को निर्देश दिए हैं कि सिंहस्थ की व्यवस्थाओं और प्रबंधन से जुड़े सभी काम जून 2027 के पहले ही पूरे कर लिए जाएं। ऐसा होने पर कमियों को दुरुस्त करने या व्यवस्थाओं को और भी अधिक बेहतर करने का समय भी मिल सकेगा। डॉ. यादव ने कल मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में पूर्व में सम्पन्न हुए सिंहस्थ में प्राप्त अनुभवों को केन्द्र में रखते हुए सिंहस्थ-2028 के योजनाबद्ध आयोजन के संबंध में बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लाखों-करोड़ों श्रद्धालु सिंहस्थ के दौरान उज्जैन आएंगे। किसी भी श्रद्धालु को स्नान व देव दर्शन में कोई कठिनाई हो, इसके लिए सभी प्रबंध किए जाएं। पुराने सिंहस्थ आयोजन से सीख लें और आगामी सिंहस्थ के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए अभी से माइक्रो प्लानिंग कर व्यवस्थाओं को अंजाम देना शुरू करें। सीएम यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 की व्यवस्थाओं एवं प्रबंधन के लिए मंजूर किए गए सभी काम जून 2027 तक पूरे कर लिए जाएं। वर्तमान में चल रहे कार्यों की मासिक प्रोग्रेस रिपोर्ट की समीक्षा हो। प्रबंधन में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। मंजूर किए गए सभी काम प्रारंभ हो जाएं और तय समय-सीमा में ही पूरे हों।

सिंहस्थ से पहले अंदरूनी गलियों का भी चौड़ीकरण करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ में लाखों-करोड़ों श्रद्धालु उज्जैन शहर में आएंगे। बड़े मार्गों के अलावा उज्जैन शहर की अंदरूनी गलियों व रास्तों का भी और अधिक चौड़ीकरण करें ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन का वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध रहे और वे आसानी से आ-जा सकें। उन्होंने कहा कि उज्जैन शहर में क्षिप्रा नदी व शहर के अंदर सिंहस्थ के लिए जितने भी सेतु निर्माण कार्य जरुरी हैं, वे अभी से प्रारंभ कर लिए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ के दौरान उज्जैन शहर के सभी छोटे-बड़े मंदिरों में भी श्रद्धालुओं के देवदर्शन के लिए समुचित व्यवस्थाएं की जाए। उन्होंने कहा कि यदि संभव हो तो रुद्र सागर में भी घाट बनाने पर विचार कर प्रारंभिक सर्वे भी कर लें।

आपदा/अग्नि प्रबंधन पर दें विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छोटी-छोटी व्यवस्थागत कमियों की वजह से आयोजन के दौरान ही प्राकृतिक आपदा व अग्नि दुर्घटना से अप्रिय स्थिति निर्मित न हों। सिंहस्थ वर्ष 2028 में है, इसलिए किसी भी प्रकार की आपदा और अग्नि दुर्घटना प्रबंधन पर विशेष ध्यान देकर ऐसी घटनाओं को रोकने के लिये वॉलिंटियर्स को प्रापर ट्रेनिंग भी दी जाए।

गुड़ी पड़वा पर शुरु होगा जल गंगा अभियान

राज्य सरकार विक्रम संवत के पहले दिन गुड़ी पड़वा से प्रदेश में जल गंगा अभियान की शुरुआत करेगी। उज्जैन में क्षिप्रा तट से मुख्यमंत्री इस अभियान की शुरुआत करेंगे। 30 मार्च से 30 जून तक पूरे 90 दिन यह अभियान चलेगा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने बुधवार शाम को पंचायत एवं ग्रामीण विकास और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ इस अभियान की तैयारियों को लेकर बैठक कई। इस अभियान में 12 और विभागों को भी जोड़ा जाएगा। इस दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अमृत सरोवर अभियान में 200 करोड़ की लागत से 1000 नए तालाबों के निर्माण करेगा। इसके लिए 300 स्थानों चिन्हित कर लिए हैं। 100 करोड़ की लागत से 50 हजार नए खेत-तालाब बनाए जाएंगे। जल संसाधन विभाग के साथ मिलकर नदी संरक्षण और कैचमेंट सुधार से जुड़े काम भी किए जाएंगे। पुरानी जल संरचनाओं की मानसून से पहले मरम्मत कराई जाएगी। जल स्त्रोतों का रख-रखाव का जिम्मा पंचायतों व स्थानीय संस्थाओं को सौंपा जाएगा। इस दौरान प्रदेशभर में जल संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले 1 लाख जलदूत वालंटियर बनाए जाएंगे।

व्यापार संधियों का विस्तार

आहार 2025 में ऑस्ट्रेलियाई खाद्य की प्रदर्शनी

एजेंसी ● नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार संधि (एआई-ईसीटीए) के तहत व्यापारिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं, जिससे भारत में उत्तम गुणवत्ता वाले ऑस्ट्रेलियाई कृषि-खाद्य उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए, ऑस्ट्रेलियाई व्यापार और निवेश आयोग (ऑस्ट्रेड) ने क्वींसलैंड और न्यू साउथ वेल्स की राज्य सरकारों के सहयोग से 11 ऑस्ट्रेलियाई ब्रांडों को एक मंच पर लाया है। ये ब्रांड आहार 2025 में हॉल नंबर 1, स्टैंड नंबर 1जी-02ए स्थित ऑस्ट्रेलियाई पंडाल में अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे।

आहार 2025 ऑस्ट्रेलियाई खाद्य और पेय कंपनियों के लिए अपनी विश्वस्तरीय गुणवत्ता, नवाचार और टिकाऊ प्रथाओं को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। इस प्रदर्शनी को खाद्य सुरक्षा के उच्च मानकों, उन्नत उत्पादन तकनीकों और पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाओं के लिए अच्छी प्रतिष्ठा प्राप्त है। यह प्रदर्शनी भारतीय खरीदारों, खुदरा विक्रेताओं और खाद्य सेवा व्यवसायों को ऑस्ट्रेलियाई उत्पादों के बेहतरीन स्वाद, पोषण और बहुपयोगिता को करीब से जानने का अवसर देगी, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक अवसरों को और मजबूती मिलेगी। आहार 2025 में ऑस्ट्रेलियाई पंडाल में पैकेज्ड फूड, पोषण संबंधी पूरक, और विश्व प्रसिद्ध मांस एवं समुद्री खाद्य उत्पादों सहित कई श्रेणियों के उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। 29 दिसंबर 2022 को एआई-ईसीटीए के लागू होने के बाद, मूल्य के हिसाब से 85% से अधिक ऑस्ट्रेलियाई वस्तुओं का भारत में निर्यात अब शुल्क-मुक्त हो गया है। इससे ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों को भारत के तेजी से बढ़ते बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का शानदार अवसर मिला है, और आहार 2025 इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, यह भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में ऑस्ट्रेलियाई योगदान को बढ़ाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है।

आहार 2025 में ऑस्ट्रेलिया की भागीदारी को लेकर ऑस्ट्रेलियाई व्यापार और निवेश आयोग के वरिष्ठ व्यापार और निवेश आयुक्त - दक्षिण एशिया, श्री जॉन साउथवेल ने कहा, 'भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक मजबूत और लगातार बढ़ते व्यापारिक संबंध हैं, जिसे ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार संधि (एआई-ईसीटीए) ने और भी मजबूती दी है। इस समझौते के लागू होने के बाद, भारत में ऑस्ट्रेलिया के कृषि-खाद्य निर्यात में 59% की वृद्धि हुई है, जिसमें बादाम, भेड़ का मांस और समुद्री खाद्य पदार्थों की मांग सबसे अधिक बढ़ी है। यह ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों के लिए भारत के बढ़ते बाजार में प्रवेश करने और अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का शानदार अवसर है। 'हम आहार 2025 में ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन खाद्य उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए उत्साहित हैं और भारतीय आयातकों, खुदरा विक्रेताओं और खाद्य सेवा व्यवसायों के साथ मजबूत साझेदारी बनाने की उम्मीद करते हैं। अगर आप उत्तम गुणवत्ता और बेहतरीन स्वाद वाले उत्पादों की तलाश में हैं, तो आहार 2025 में ऑस्ट्रेलियाई पंडाल में जरूर पधारें।

रीवा में 30 हजार का इनामी बदमाश भेजा गया जेल

संवाददाता ● रीवा

रीवा पुलिस ने 1 दर्जन से अधिक मामलों के आरोपी और 30 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस ने आरोपी को मंगलवार को महाराष्ट्र से गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड में लिया था। जिससे पूछताछ के दौरान पुलिस ने उसके पूरे नेटवर्क और काले कारनामों की जानकारी बटोरी। जिसके आधार पर पुलिस अब आगे की वैधानिक कार्रवाई में जुटी हुई है। बताया गया कि आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस लंबे समय से जगह-जगह खाक छान रही थी। वहीं आरोपी महाराष्ट्र में सुकून की जिंदगी गुजार रहा था। बताया गया है कि 37 वर्षीय आरोपी बृजेंद्र केवट निवासी ददरी, पैरा काफी समय से सोहागी थाना क्षेत्र और आसपास के इलाके में आतंक का पर्याय बना हुआ था। जिसके खिलाफ सोहागी सहित अन्य थाना क्षेत्रों में भी लूट, डकैती, हत्या के प्रयास, हत्या, अवैध हथियार रखना सहित आम लोगों से रंगदारी वसूलने जैसे कई गंभीर अपराध भी दर्ज थे।

दो-दो ट्रिप चलाई जाएगी रीवा-सीएसएमटी-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

संवाददाता ● भोपाल

यात्रियों की सुविधा हेतु आगामी त्योहारों एवं समर में भीड़ को कम करने के लिए रेल प्रशासन द्वारा रीवा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-रीवा के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 02-02 फेरे चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के रीवा स्टेशन से प्रारम्भ/टर्मिनेट होकर सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गंतव्य को जायेगी। स्पेशल ट्रेन में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे। गाड़ी संख्या 02187 रीवा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गुरुवार दिनाँक 20 एवं 27 मार्च 2025 को रीवा स्टेशन से दोपहर 15:50 बजे प्रारम्भ होकर सतना 16:55 बजे, मैहर 17:25 बजे, कटनी 18:05 बजे, जबलपुर 19:40 बजे, नरसिंहपुर 20:48 बजे, गाडरवारा 21:18 बजे, पिपरिया 21:53 बजे, इटारसी 23:20 बजे और अगले दिन हरदा मध्य रात्रि 00:22 बजे पहुँचकर, भुसावल भोर 04:00 बजे होते हुए और शुक्रवार दोपहर 12:20 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुँचेगी।

गाड़ी संख्या 02188 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से रीवा स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार दिनाँक 21 एवं 28 मार्च 2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से दोपहर 13:30 बजे प्रारम्भ होकर भुसावल रात 20:20 बजे पहुँचकर अगले दिन हरदा मध्य रात्रि 00:03 बजे, इटारसी 01:15 बजे, पिपरिया 02:13 बजे, गाडरवारा 02:48 बजे, नरसिंहपुर 03:23 बजे, जबलपुर भोर 04:55 बजे, कटनी 06:10 बजे, मैहर 07:03 बजे, सतना 07:40 बजे और शनिवार को 09:45 बजे रीवा स्टेशन पहुँचेगी।

ठहराव : यह गाड़ी रास्ते में दोनों तरफ सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, हरदा, खण्डवा, भुसावल, मनमाड़, नासिक रोड एवं कल्याण स्टेशनों पर रुकेगी।

ग्वालियर में मारपीट, पथराव और गोलीबारी, एक घायल

मकान के विवाद में दो पक्ष भिड़े, दो लोग घायल; दोनों पर केस दर्ज

संवाददाता ● ग्वालियर

ग्वालियर के गिरवाई सावरिया धाम कॉलोनी में मकान विवाद को लेकर कल रात 10 बजे मारपीट, पथराव और गोलीबारी हुई। गोलीबारी में छर्रे लगने से एक युवक घायल हो गया, जबकि दूसरे पक्ष का एक युवक भी पथराव और मारपीट में घायल हुआ। घटना की सूचना मिलते ही एसपी ग्वालियर खुद मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और इलाके में तनाव को देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी। दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक पक्ष पर गोलीबारी और दूसरे पक्ष पर पथराव व मारपीट की एफआईआर दर्ज की गई है।

मकान की रजिस्ट्री न होने पर विवाद - गिरवाई थाना क्षेत्र स्थित सावरिया धाम कॉलोनी निवासी अरविंद कुमार बुनकर ने एक साल पहले पास ही रहने वाले नरेश सेन से मकान खरीदने की डील की थी। एडवांस के तौर पर अरविंद ने 20 लाख रुपए भी दे दिए थे, लेकिन एग्रीमेंट के बावजूद नरेश ने समय पर मकान की रजिस्ट्री नहीं कराई। जब अरविंद ने अपने पैसे वापस मांगे, तो नरेश ने उन्हें लौटाने से इनकार कर दिया। इस मामले को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद था।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की एमडी और सीईओ ए. मणिमेखलाई ने शीबिल्ड्स भारत कार्यक्रम में बैंकिंग उद्योग का नेतृत्व किया

भारत सरकार का अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

एजेंसी ● नई दिल्ली

बैठक

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और विश्व बैंक समूह द्वारा समर्थित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शीबिल्ड्स भारत समारोह में भाग लिया गया। यह कार्यक्रम विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया और इसमें भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू उपस्थित रहीं, जिनके द्वारा मुख्य भाषण दिया गया। अन्य सम्मानित अतिथियों में केंद्रीय मंत्री, कारोबार लीडर, मशहूर हस्तियां और विभिन्न

क्षेत्रों में सफल महिलाएँ शामिल थीं। प्रबंध निदेशक एवं सीईओ ए। मणिमेखलै द्वारा 'नारी शक्ति से विकसित भारत" विषय पर उच्च स्तरीय पूर्ण चर्चा में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का प्रतिनिधित्व किया गया। उनके द्वारा बैंकिंग क्षेत्र में महिला शक्ति के परिवर्तनकारी प्रभाव पर जोर दिया गया, तथा महिलाओं के नेतृत्व में कारोबारों द्वारा की गई महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला गया।

ए। मणिमेखलै ने बताया, 'सरकारी योजनाओं और बैंकिंग क्षेत्र द्वारा व्यवस्थित ऋण प्रोत्साहन के संयोजन ने महिलाओं के नेतृत्व में कारोबारों को उल्लेखनीय वृद्धि हासिल करने और #SheBuildsBHARAT मिशन में योगदान करने के लिए सशक्त बनाया है।'

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जो अधिक समतापूर्ण समाज के लिए सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

'सर्प संस्कार' में शामिल हुईं कैटरीना कैफ

कैटरीना कैफ अब आध्यात्मिक होती नजर आ रही हैं। पिछले दिनों अभिनेत्री अपनी सास के साथ शिरडी साईं बाबा के मंदिर पहुंची थीं। इसके बाद वह महाकुंभ में भी अपनी सास वीना कौशल के साथ आस्था की डुबकी लगाने पहुंचीं। अब अभिनेत्री कर्नाटक के कुक्के श्री सुब्रह्मण्य मंदिर में भक्ति में लीन नजर आईं। दक्षिण कर्नाटक का यह मंदिर 'सर्प संस्कार' के लिए प्रचलित है। अब कैटरीना कैफ भी कुक्के श्री सुब्रह्मण्य मंदिर में सर्प संस्कार की दो दिवसीय पूजा में भाग लेती नजर आईं। ये पूजा मंगलवार से शुरू होकर बुधवार को खत्म हुई। अभिनेत्री अपने कुछ दोस्तों के साथ यहां पहुंचीं, जहां उन्हें पूजा-अर्चना करते देखा गया। बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ अपने कुछ दोस्तों के साथ मंदिर पहुंचीं और सर्प संस्कार पूजा संपन्न कराया। ये पूजा आमतौर पर पूर्वजों द्वारा किसी सर्प यानी नाग देवता को मारने के प्रायश्चित के तौर पर की जाती है। यह पूजा 2 चरणों में संपन्न होती है और लगभग चार से पांच घंटे तक चलती है। कैटरीना ने मंगलवार और बुधवार को प्रतिदिन चार से पांच घंटे इस विशेष पूजा में हिस्सा लिया। वह मंदिर के वीआईपी गेस्ट हाउस में ठहरी थीं। दोपहर में मंदिर में आयोजित इस अनुष्ठान में शामिल होने के बाद जब कैटरीना मंदिर परिसर से बाहर निकलीं तो अपनी पहचान छुपाने के लिए उन्होंने दुपट्टे से अपना चेहरा छुपा लिया। ये अनुष्ठान सर्प दोष, कालसर्प दोष और नाग दोष से मुक्ति के लिए कराया जाता है। ऐसी मान्यता है कि अगर किसी व्यक्ति के पूर्वजों द्वारा अनजाने में या जानबूझकर नाग देवता को मारा या नुकसान पहुंचाया गया है तो उसके प्रभाव से छुटकारा पाने के लिए यह विशेष अनुष्ठान कराया जाता है। इसे कराने से संपत्ति, स्वास्थ्य और करियर से जुड़ी बाधाएं भी दूर होती हैं। इसके अलावा इस अनुष्ठान को करने से पूर्वजों की आत्मा को भी शांति मिलती है और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। जिससे जीवन में सुख समृद्धि आती है। इससे पहले जब विक्की कौशल 'छावा' के प्रमोशन में व्यस्त थे, तब कैटरीना अपनी सास वीना कौशल के साथ अलग-अलग धार्मिक स्थलों में नजर आई थीं। पहले तो कैटरीना सास वीना कौशल के साथ शिरडी के साईं बाबा के दरबार में भक्ति में लीन नजर आईं, इसके बाद वह प्रयागराज भी पहुंचीं, जहां उन्होंने महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम में स्नान किया। सोशल मीडिया पर इसकी कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। यहां वह परमार्थ निकेतन आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती से बात करती भी नजर आईं।

काजोल की अपकमिंग फिल्म 'मां' का पोस्टर जारी

काजोल की अपकमिंग फिल्म मां का पोस्टर जारी हो गया है। मेकर्स ने रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है। पोस्टर में एक्ट्रेस का शक्तिशाली रूप देखने को मिल रहा है। फैंस पोस्टर देखने के बाद से काफी एक्साइटेड हैं। 'मां' का डायरेक्शन विशाल फुरिया ने किया है। यह फिल्म अच्छाई और बुराई के बीच लड़ाई पर आधारित है। मेकर्स ने रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी का दावा किया है। काजोल के अलावा इसमें रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा भी मुख्य भूमिका में हैं। 'शैतान' के बाद देवगन फिल्म्स ने 'मां' की अनाउंसमेंट की। सामने आए पोस्टर में एक्ट्रेस एक छोटी बच्ची को अपने सीने से लगाए नजर आ रही हैं। इसमें एक्ट्रेस और बच्ची दोनों घायल नजर आ रही हैं। वहीं, इसके कैप्शन में लिखा गया, 'नर्क यहीं है, देवी भी यहीं हैं!' 'मां' का पोस्टर रिलीज होने के बाद फैंस के रिएक्शन भी सामने आ रहे हैं। कुछ फैंस ने तो फिल्म को अभी से ही ब्लॉक बस्टर कह दिया है। तो वहीं कुछ लोग फायर इमोजी से रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- दिस इज एपिक। काजोल की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'मां' 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म चार भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली में रिलीज की जाएगी। फिल्म को जियो स्टूडियोज और देवगन फिल्म्स प्रजेंट कर रहे हैं। फिल्म का प्रोडक्शन अजय देवगन और ज्योति देशपांडे ने किया है। काजोल के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार कृति सेनन के साथ फिल्म दो पत्ती में देखा गया था।

'सालार' के डायरेक्टर के साथ पक्की हुई अल्लू अर्जुन की डील

पुष्पा 2 के बाद करेंगे एक और बड़ा धमाका

पहले 'पुष्पा' और फिर पुष्पा 2 से धमाका करने वाले साउथ के पॉपुलर स्टार अल्लू अर्जुन इन दिनों बुलंदियों पर हैं। उनकी फिल्म पुष्पा 2 ने दुनियाभर में खूब नोट छापे और उम्मीदों के मुताबिक फैंस का दिल जीतने में भी कामयाब रही। पुष्पा 2 की अपार सफलता के बाद अब अटकलें लगाई जा रही हैं कि अल्लू 'सालार' जैसी फिल्म बनाने वाले डायरेक्टर प्रशांत नील के साथ काम करने वाले हैं। 'पुष्पाः द रूल' से एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वाले अल्लू अर्जुन को लेकर चर्चा है कि वो अपनी अगली फिल्म एटली के साथ करने वाले हैं, लेकिन उनकी हाल ही में प्रशांत नील के साथ हैदराबाद में मुलाकात हुई। दोनों की मीटिंग प्रोड्यूसर दिल राजू ने कराई थी। इसके बाद से खबरें है कि अल्लू अर्जुन और प्रशांत साथ में फिल्म करने वाले हैं। साथ में काम करने को लेकर अभी ना ही अल्लू अर्जुन और ना ही प्रशांत नील की तरफ से कोई बयान दिया गया है। लेकिन दोनों की मुलाकात के बाद इस तरह की अटकलों को हवा मिल रही हैं। बताया जा रहा है कि अल्लू अर्जुन और प्रशांत साथ में कोई फिल्म कर सकते हैं। प्रोड्यूसर दिल राजू ने अल्लू से उनके एक प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए कॉन्टैक्ट किया था। इस पर अल्लू अर्जुन ने उनसे एक बड़े डायरेक्टर के साथ काम करने की शर्त रखी थी। फिर दिल राजू ने अल्लू अर्जुन और नील की मुलाकात कराई। नील ने अल्लू अर्जुन को कई आइडिया दिए जिसमें से एक कॉन्सेप्ट पर अल्लू काफी एक्साइटेड थे। खबरें तो ये भी है कि एक्टर ने दिल राजू से एडवांस रकम भी ली है।

'आप सेलिब्रिटी नहीं...' अभिषेक ने बच्चन परिवार की 'परंपरा' का खोला राज

अभिषेक बच्चन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'बी हैप्पी' को लेकर चर्चा में हैं, जो जल्दी ही दर्शकों के बीच दस्तक दे रही है। इस फिल्म में अभिषेक एक डांसर बच्ची के पिता के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में इनायत शर्मा, अभिषेक की बेटी के किरदार में हैं। फिल्म में खुद अभिषेक भी पहली बार एक जबरदस्त डांस नंबर करते नजर आएंगे। इस बीच अभिषेक बच्चन ने अपनी अपकमिंग फिल्म और पर्सनल लाइफ पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में बात की और साथ ही ये भी बताया कि उन्हें घर में बेटी आराध्या से कैसा ट्रीटमेंट मिलता है। अभिषेक बच्चन के अनुसार वह घर पर अपनी बेटी के लिए कोई सेलिब्रिटी नहीं बल्कि सिर्फ एक पिता हैं। अभिषेक बच्चन ने बातचीत में बी हैप्पी में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बताया कि वह फिल्म में एक ऐसे पिता के रोल में हैं, जिसे अपनी बेटी के चलते ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है कि उसे अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना पड़ता है। लेकिन, असल में उनकी बेटी आराध्या ने कभी ऐसी किसी स्थिति में नहीं डाला। अभिषेक बच्चन के अनुसार, आराध्या उन्हें घर पर किसी सेलिब्रिटी के तौर पर नहीं बल्कि सिर्फ अपने पिता के तौर पर देखती हैं। 'मुझे मेरी बेटी ने कभी किसी ऐसी परिस्थिति में नहीं डाला, जहां मुझे लगता हो कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए। लेकिन, मुझे अपनी बेटी के लिए ये करना पड़ेगा। अभी तक तो ऐसा नहीं हुआ। मेरी 13 साल की बेटी है तो आप समझ ही सकते हैं। जो सबसे अच्छी बात है वो ये कि घर पर जाने के बाद आप बस माता-पिता होते हैं। आप कोई प्रोफेशनल या फिर सेलिब्रिटी नहीं होते। सिर्फ एक माता-पिता होते हैं। मुझे ये किसी रियेलिटी चेक जैसा लगता है। लेकिन, ये कुछ अच्छा है, क्योंकि ये प्यार एक सच्ची जगह से आता है। ना कि आपके प्रोफेशन से।'

अमिताभ बच्चन पर फिल्म मैग्जीन्स ने लगा दिया था बैन

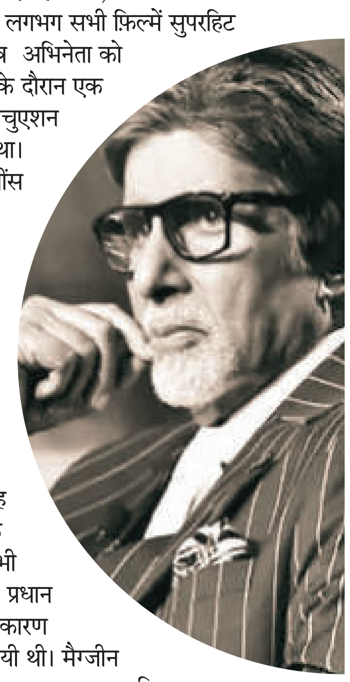

अमिताभ बच्चन सदी के महानायक हैं और वे फैंस के दिलों पर राज करते हैं। बॉलीवुड के शहंशाह ने अपने अब तक के करियर में तमाम शानदार फिल्में दी हैं जिन्हें फैंस बेहद पसंद करते हैं। हालांकि, अपने करियर के पीक पर जब बिग बी की लगभग सभी फ़िल्में सुपरहिट साबित हो रही थीं तब अभिनेता को 1975 की इमरजेंसी के दौरान एक हैरान कर देने वाली सिचुएशन का सामना करना पड़ा था। दरअसल कुछ फ़िल्म मैग्जींस ने अमिताभ बच्चन पर बैन लगा दिया था। फिल्म क्रिटिक और राइटर भारती एस। प्रधान ने एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में इस घटना के बारे में बात की थी और कहा, 'इमरजेंसी हटने के तुरंत बाद, कुछ मैग्जीन ने मिलकर अमिताभ बच्चन पर बैन लगा दिया था क्योंकि उन्हें लगा कि वह और वीसी शुक्ला सभी कांग्रेस के लोगों का एक गिरोह हैं और वे सभी कॉपी को ब्लू-पेंसिल कर रहे थेय' प्रधान ने यह भी बताया कि बायकॉट के कारण अजीबोगरीब सिचुएशन पैदा हो गयी थी। मैग्जीन ने बिग बी का नाम लेने से परहेज करना शुरू कर दिया था। प्रधान ने कहा, 'अगर हेमा मालिनी की कोई फिल्मोग्राफी होती और अमिताभ बच्चन उनके को-एक्टर होते, तो वे उनके नाम के बजाय सिर्फ़ कोमा लगा देते थे क्योंकि अमिताभ बच्चन पर बैन लगा दिया गया था, इसलिए आप उनका नाम पत्रिका में नहीं डाल सकते थे।' प्रधान ने आगे बताया कि शोले एक्टर इस स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ थे।

सोनम बाजवा की 'दीवानीयत' में एंट्री

हर्षवर्धन राणे के बाद सोनम बाजवा का नाम भी मिलाप मिलन जावेरी की फिल्म 'दीवानीयत' से जुड़ गया है। यह एक इमोशनल प्रेम कहानी होगी, जिसमें प्यार, जुनून और जज्बातों के उतार-चढ़ाव दिखाए जाएंगे। पहली बार हर्षवर्धन और सोनम बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण अमुल वी. मोहन और अंशुल मोहन कर रहे हैं, जिनकी प्रोडक्शन कंपनी विकिर मोशन पिक्चर्स इससे पहले 'द साबरमती रिपोर्ट' जैसी सराही गई फिल्म बना चुकी है। फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी कर रहे हैं, जो 'सत्यमेव जयते' और 'मरजावां' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इसकी कहानी मुस्ताक शेख और मिलाप मिलन जावेरी ने लिखी है। फिल्म की शूटिंग अगले कुछ महीनों में शुरू होगी और इसे 2025 के अंत तक थिएटर्स में रिलीज करने की प्लानिंग है। 'दीवानीयत' एक प्रेम कहानी है, जिसमें म्यूजिक अहम भूमिका निभाएगा। इसके गाने कहानी की भावनाओं को और अच्छे से दिखाएंगे, जो इसे और असरदार बनाएंगे। मेलोडी और इमोशंस का अच्छा मेल फिल्म को खास बनाएगा। सोनम बाजवा पंजाबी सिनेमा की एक मशहूर एक्ट्रेस हैं, जो अब बॉलीवुड में अपनी जगह बना रही हैं। इस साल उनकी 'हाउसफुल 5' और 'बागी 4' जैसी बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं।

हॉलीवुड में काम करना चाहती हैं कृति सेनन

ओटीटी सेंसरशिप पर बोलीं- भेदभाव नहीं होना चाहिए

बॉलीवुड में जब भी अवॉर्ड्स सेरेमनी का आयोजन होता है, सभी फैंस उत्सुक रहते हैं। उन्हें ये जानने की बहुत इच्छा रहती है कि कौनसी फिल्म को कौनसा अवॉर्ड मिलने वाला है। क्या उसमें उनकी पसंदीदा फिल्म भी शामिल है और क्या अवॉर्ड मिलेगा या नहीं ये भी उनके मन में चलता है। हाल ही में 'पिंक सिटी' जयपुर में हुए 'आईफा अवॉर्ड्स' में फैंस के फेवरेट एक्टर्स और फिल्ममेकर्स को भी अवॉर्ड्स मिले। बॉलीवुड की 'डीवा' कृति सेनन के लिए आईफा अवॉर्ड्स की शाम बेहद खास रही। उनकी बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू फिल्म 'दो पत्ती' ने भी अवॉर्ड्स जीते जिसकी एक झलक उन्होंने फैंस को अपने इंस्टाग्राम पर दी। शो से पहले कृति ने इंडिया टुडे/आजतक के साथ भी खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कई सारे सवालों के भी जवाब दिए। एक्ट्रेस ने सेंसरशिप से लेकर साउथ में काम करने तक की भी बात की। जब कृति से पूछा गया कि वो हॉलीवुड के कौनसे एक्टर्स के साथ काम करना चाहेंगी? तो उन्होंने एक्टर रायन गॉस्लिंग और एक्ट्रेस मेरिल स्ट्रीप का नाम लिया। कृति का कहना है कि दोनों एक्टर्स काफी टैलेंटेड हैं और वो उनके साथ एक बार स्क्रीन स्पेस शेयर जरूर करना चाहेंगी। बातों ही बातों में जब एक्ट्रेस से ओटीटी में सेंसरशिप आने का सवाल पूछा गया, तब उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी एक अलग राय रखी। एक्ट्रेस ने कहा, 'सेंसरशिप थिएटर्स के लिए होती है। जब हम डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जाते हैं तो हम बाहर का भी कंटेंट देख सकते हैं। उसपर कोई सेंसरशिप नहीं है। तो अगर हम वो कंटेंट देख सकते हैं तो यहां का भी देख सकते हैं। इसमें हमें संतुलन लाने और सभी के लिए एक जैसा करने की जरूरत है। या तो आप एक प्लेटफॉर्म पर कुछ चीजें दिखाओ या मत दिखाओ। फिर चाहे वो कंटेंट इंडिया का हो या बाहर का, कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।'

आमिर खान ने खुलकर लुटाई दौलत!

सनी देओल के पास फिलहाल कई फिल्में मौजूद हैं। 10 अप्रैल को जहां सनी पाजी अपनी फिल्म JAAT लेकर आ रहे हैं। वहीं उनकी अपकमिंग फिल्म 'लाहौर 1947' भी लगातार चर्चा का हिस्सा बनी हुई है। इस फिल्म के लिए फैन्स की बेकरारी का हिसाब नहीं लगाया जा सकता है। वहीं आमिर खान इस फिल्म को प्रोड्यूसर हैं, जो हर चीज पर नजरें जमाए हुए हैं। माना जा रहा है कि इस फिल्म के लिए सनी देओल ने तगड़ी रकम वसूली है। चलिए जानते हैं किस स्टार को कितने पैसे मिले हैं। फिल्म के लीड एक्टर होने के नाते सबसे ज्यादा फीस सनी देओल को ही मिली है। गदर 2 की शानदार सक्सेस के बाद सीन ने अपनी फीस में काफी इजाफा कर लिया है। उन्हें 'लाहौर 1947' के लिए 40 करोड़ रुपये फीस मिली है। प्रीति जिंटा 'लाहौर 1947' से फिर से इंडस्ट्री में कमबैक करने जा रही हैं। उनकी वापसी का भी फैन्स को बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म के लिए प्रीति को सनी देओल के मुकाबले काफी कम फीस मिली है। एक्ट्रेस को महज 10 करोड़ रुपये फीस के तौर पर दिए गए हैं।

न्यूज कॉलम

ट्रक-कार की टक्कर में 6 की मौत, 1 की हालत गंभीर

महासमुंद। एनएच 353 पर बागबाहरा के पास गुरुवार को कार और ट्रक की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कार सवार 6 लोगों की मौके पर मौत हो गई है, जबकि ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही खल्लारी पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से मृतकों और घायलों को बाहर निकाला।जानकारी के अनुसार, कार (क्रमांक उऋ04 दअ 4757) रायपुर से बागबाहरा की ओर जा रही थी, जबकि ट्रक (क्रमांक ल्फ 56 इ 7341) बागबाहरा से महासमुंद की ओर आ रहा था। इसी दौरान आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। मृतकों की पहचान राजस्व निरीक्षक ताहर सिंह ठाकुर (52), बिन्देश्वरी ठाकुर (48), वैभवी ठाकुर (19), तृप्ति ठाकुर (32), सरोजनी ठाकुर (37) और कार चालक सूरज कंसारी (30) के रूप में हुई है।

आदिवासी छात्र की तबीयत बिगड़ने से हुई मौत

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ में हॉस्टल प्रबंधन के लापरवाही से एक आदिवासी छात्र की मौत हो गई. मृतक छात्र के परिजनों का आरोप है कि छात्र पहले से ही बीमार चल रहा था, लेकिन इसकी जानकारी परिजनों से छुपाई गई. जैसे ही वह होली की छुट्टी मनाने घर पहुंचा, उसकी हालत अचानक गंभीर हो गई. उसे आनन-फानन में निजी अस्पताल लेजाया गया, जिसके बाद स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल लेजाया गया, लेकिन यहां से भी डॉक्टरों ने उसे बिलासपुर रेफर कर दिया. अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही बच्चे ने दम तोड़ दिया. मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर आदिवासी विभाग गौरेला पेंड्रा मरवाही ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के अधीक्षक रामबिलास को लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित करने की अनुशंसा कर दी है।

सनकी पति ने कुल्हाड़ी से वारकर की पत्नी की हत्या

बालोद। जिले के डौंडी थाना क्षेत्र में होली से पहले एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मरकटोला गांव में पति ने कुल्हाड़ी से वार कर अपनी पत्नी की हत्या कर दी और फिर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। इस घटना की सूचना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई है।जानकारी के अनुसार, मृतका का नाम यसोदा बाई गावड़े है, जबकि आरोपी पति का नाम आत्मा राम गावड़े बताया जा रहा है। घरेलू विवाद के चलते आत्मा राम ने गुस्से में आकर अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद उसने खुद भी फांसी लगाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने समय रहते उसे फंदे से उतारकर तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी।

विष्णुदेव के सुशासन में बस्तर इलाके में हो रहा चहुंमुखी विकास

नीति आयोग ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किया पुरस्कृत

संवाददाता ● रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर इलाके में अभूतपूर्व विकास हो रहा है. हाल ही में नीति आयोग ने राज्य सरकार को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया है. यह पुरस्कार बस्तर के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में शिक्षा सुधार के लिए किए गए प्रयासों की सराहना के रूप में दिया गया है।

विष्णुदेव साय सरकार ने अपने कार्यकाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में कई अहम पहल की हैं. खासतौर पर बस्तर जैसे दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सुधारों की जो लहर आई है, उसे राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा जा रहा है. नीति आयोग द्वारा दिए गए पुरस्कार ने इस उपलब्धि को और मजबूती प्रदान की है.छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य में शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति को देखते हुए नीति आयोग ने बस्तर जिले को 3 करोड़ रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया है. यह उपलब्धि न केवल बस्तर जिले के लिए, बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है जिसे शिक्षा के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा सकता है।

बस्तरः कभी पिछड़ेपन का प्रतीक, अब विकास की नई कहानी

छत्तीसगढ़ का बस्तर इलाका कभी नक्सली हिंसा, गरीबी और पिछड़ेपन के लिए जाना जाता था. यहां की दुर्गम पहाड़ियों और घने जंगलों में बसे आदिवासी समुदायों को शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहना पड़ा था. लेकिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव के कार्यकाल में सरकार ने एक नया विजन अपनाया. मुख्यमंत्री ने कहा, ह्वहमारा लक्ष्य बस्तर को सिर्फ नक्शे पर नहीं, बल्कि विकास के हर पैमाने पर आगे लाना है. शिक्षा के क्षेत्र में हमने जो सुधार किए हैं, वे सिर्फ शुरूआत हैं. आने वाले वर्षों में बस्तर पूरे देश के लिए एक मॉडल बनेगा.ह्व राज्य सरकार की योजनाओं की बदौलत अब बस्तर के गांवों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और डिजिटल लर्निंग की सुविधाएं पहुंच रही हैं. नीति आयोग ने इन्हीं सुधारों को मान्यता देते हुए छत्तीसगढ़ सरकार को सम्मानित किया है.

इस संदर्भ में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि ह्वबस्तर जिले को शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, सीखने की सहभागिता बढ़ाने, शिक्षा

प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने और एक मजबूत शिक्षक-छात्र बंधन को बढ़ावा देने में उसके ह्वउत्कृष्ट प्रदर्शनह्व के लिए नीति आयोग द्वारा 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया गया है, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है.ह्व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बस्तर जिले के विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रशासन को बधाई दी है. उन्होंने कहा कि ह्वयह सम्मान प्रदेश में संपूर्ण शिक्षा तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने तथा बस्तर में बौद्धिक और शैक्षणिक विकास को नया आयाम देने के लिए राज्य सरकार को और अधिक प्रेरित करेगा.ह्व सीएम साय ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि ह्वयह बेहद गर्व और खुशी की बात है कि बस्तर जिले में स्कूली बच्चों की कड़ी मेहनत और हमारी सरकार की उत्कृष्ट शिक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने जिले को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है. शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, सीखने की सहभागिता बढ़ाने, शिक्षा प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने और शिक्षक-छात्र के बीच मजबूत संबंध को बढ़ावा देने में ह्वउत्कृष्ट प्रदर्शनह्व के लिए नीति आयोग का ये पुरस्कार क्षेत्र में शिक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है.ह्वबस्तर जिला, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है, अतीत में शिक्षा के क्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना कर चुका है. भौगोलिक विकटता, नक्सल प्रभावित क्षेत्र और बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण शिक्षा का प्रसार धीमा था. इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद राज्य की साय सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं जिसका परिणाम सामने है. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर जिले में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, शिक्षकों की गुणवत्ता में सुधार और छात्रों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए कई पहल की गईं. इन प्रयासों का ही नतीजा है कि आज बस्तर जिला शिक्षा के क्षेत्र में एक मॉडल के रूप में उभरकर सामने आया है.

बस्तर ज्ञान दीप योजना- यह योजना आदिवासी बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए शुरू की गई थी. इसके तहत सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी और इंटरेक्टिव लर्निंग टूल्स उपलब्ध कराए गए. शिक्षा विभाग के अधिकारी ने बताया, ह्वइस योजना के तहत 500 से अधिक स्कूलों को डिजिटल सुविधाओं से लैस किया गया है, जिससे हजारों बच्चों को आधुनिक शिक्षा मिल रही है.

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ह्वशिक्षा संजीवनी केंद्र- बस्तर के दुर्गम इलाकों में कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां पहले स्कूल नहीं थे. सरकार ने वहां ह्वशिक्षा संजीवनीह्व केंद्र स्थापित किए हैं, जहां बच्चों को नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है. एक स्थानीय शिक्षक सुनील कश्यप बताते हैं, ह्वपहले बच्चे जंगलों में खेलने जाते थे, अब वे स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं. स्मार्ट क्लास और नए शिक्षक आने के बाद बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ी है.

सुपोषित शिक्षा अभियान- शिक्षा के साथ-साथ कुपोषण दूर करने के लिए मिड-डे मील योजना को अपग्रेड किया गया है. अब स्कूलों में स्थानीय स्तर पर तैयार किया गया पोषण युक्त भोजन दिया जा रहा है, जिससे बच्चों की सेहत में सुधार आया है. इस योजना के तहत न केवल स्कूलों की उपस्थिति बढ़ी है, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य में भी काफी सुधार हुआ है.

ज्ञानगुड़ी और विज्ञान शाला का उद्घाटन- मुख्यमंत्री साय ने जगदलपुर के धरमपुरा में 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित ज्ञानगुड़ी और 45 लाख रुपये से नवनिर्मित विज्ञान शाला का उद्घाटन किया. इन संस्थानों का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है.

ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण योजना- माओवादी प्रभावित जिलों के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को तकनीकी और व्यावसायिक उच्च शिक्षा के लिए ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करने की योजना लागू की गई है, जिससे उन विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा दी जा सके.

विष्णुदेव के सुशासन में कर्मचारी वर्ग खुश

केंद्रीय कर्मचारियों के बराबर महंगाई भत्ता देने की मिली सौगात

संवाददाता ● रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश के कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है. राज्य सरकार ने हाल ही में यह घोषणा की कि राज्य सरकार के कर्मचारियों को अब केंद्रीय कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता मिलेगा. इस फैसले से लाखों सरकारी कर्मचारियों को आर्थिक लाभ होगा और उनकी क्रय शक्ति में वृद्धि होगी.महंगाई भत्ता सरकारी कर्मचारियों को मुद्रास्फीति के प्रभाव से बचाने के लिए दी जाने वाली एक बहुत बड़ी सहूलियत है।

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार के नेतृत्व में राज्य के सभी शासकीय कर्मचारियों को मुद्रास्फीति की मार से बचाने के लिए एक जबरदस्त कदम बढ़ाया है. सरकार को पूरी-पूरी उम्मीद है इस फैसले के बाद कर्मचारियों को अपने जीवन यापन लागत में आने वाली वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखने में सहयोग मिलेगा, क्योंकि महंगाई भत्ते में वृद्धि से कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होता है और वे अपनी आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से पूरा कर पाते हैं. छत्तीसगढ़ सरकार का यह कदम शासकीय सेवकों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ने वाला होता है. महंगाई भत्ते में वृद्धि से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और वे अपने कर्तव्य पालन में और अधिक समर्पण दिखा पाने के लिए प्रेरित होते हैं. यह निर्णय राज्य सरकार की कर्मचारी हितैषी नीतियों का प्रमाण है.विष्णु देव सरकार ने सत्ता में आने के बाद से ही लोकहितकारी फैसलों की झड़ी लगा दी है। राज्य के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए यह निर्णय काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है. इससे पहले, राज्य के कर्मचारियों को केंद्र सरकार के कर्मचारियों की तुलना में कम महंगाई भत्ता मिलता था, जिससे उन्हें वित्तीय असमानता का सामना करना पड़ता था. मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा, हमारी सरकार राज्य के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. महंगाई के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए, यह जरूरी था कि राज्य के कर्मचारी भी वही लाभ पाएं, जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों को मिलता है। इससे राज्य के लगभग 5 लाख कर्मचारियों और 2.5 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा. वित्त विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस फैसले से राज्य सरकार पर सालाना 3,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा।

53 प्रतिशत किए जाने की अपनी घोषणा को पूरा किया

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार में कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने 3 मार्च 2025 को विधानसभा में वर्ष 2025-26 के वार्षिक बजट में शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते को 53 प्रतिशत किए जाने की घोषणा की थी. उस घोषणा के परिपालन में शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते में वृद्धि किए जाने का आदेश वित्त विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने राज्य के शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते को 53 प्रतिशत किए जाने की अपनी घोषणा को पूरा करके राज्य के लाखों शासकीय सेवकों को होली पर्व से पूर्व सौगात दी है. यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार में कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने 3 मार्च को विधानसभा में वर्ष 2025-26 के वार्षिक बजट में शासकीय सेवकों को 53 प्रतिशत डीए किए जाने की घोषणा की थी. उक्त घोषणा के परिपालन में शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते में वृद्धि किए जाने का आदेश वित्त विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है.जारी आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते (डीए) में 3 प्रतिशत की वृद्धि की है, जिससे यह अब 53 प्रतिशत हो गया है. सातवें वेतनमान में कार्यरत कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, अब उन्हें 53 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा, जबकि छठवें वेतनमान के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 7 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, अब उन्हें 246 प्रतिशत महंगाई भत्ता प्राप्त होगा.

नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम, प्रेशर कुकर से आईईडी बरामद

नारायणपुर। जिले के अमदई खदान (निको कंपनी) के डंप एरिया में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है. जवानों ने यहां से 5 किलोग्राम से अधिक वजन का प्रेशर

कुकर आईईडी बरामद किया और उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया. यह मामला छोटेडोंगर थाना क्षेत्र का है.नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए यह आईईडी प्लांट किया था. इससे पहले भी इसी क्षेत्र में आईईडी विस्फोट की घटना हो चुकी है, जिसमें एक कर्मचारी की मौत हो गई थी और कुछ अन्य घायल हुए थे. इस घटना के बाद एसपी ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं आईईडी या संदिग्ध वस्तु दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें. सूचना देने वालों को इनाम दिया जाएगा।

होली पर नमाज का बदला समय

डिप्टी सीएम साव ने कांग्रेस पर किया पलटवार, कहा- जनता जानती है कि समाज में सौहार्द कौन बिगाड़ता है

रायपुर। छत्तीसगढ़ समेत देश के कई राज्यों में होली के अवसर पर 14 मार्च को नमाज का समय बदला गया है. इसे लेकर प्रदेश में राजनीति भी तेज हो गई है. कांग्रेस ने इस मामले में भाजपा पर समाज में सौहार्द बिगाड़ने का आरोप लगाया था. कांग्रेस के इस बयान पर अब डिप्टी सीएम साव ने पलटवार करते हुए कहा कि समाज में सौहार्द बिगाड़ने का काम कौन करता है, यह जनता जानती है. उन्होंने आगे कहा कि आश्रम, दामाखेड़ा, बलौदा बाजार सहित कई जगहों पर ऐसे काम हुए. जिसमें सौहार्द बिगाड़ने का काम कांग्रेस करती रही है। डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि प्रदेश में सद्भाव की परम्परा बनाए रखने और छत्तीसगढ़ की ख्याति को बनाए रखने के लिए हमारी सरकार काम करती है. जिन्होंने निर्णय लिया है, ये उनसे समझा जाएगा. इतनी प्राचीन परम्परा है, जो पिछले कई सालों लोग मनाते आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सली ढेर होने के साथ ही बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है. इसे लेकर डिप्टी सीएम साव ने कहा कि नक्सलवाद से राहत को देखते हुए पुनर्वास नीति को बनाया गया है. आज की व्यवस्था को ध्यान रखकर यह नीति बनाइ गई है. जल्द इसे सभी के सामने रखा जाएगा।

राज्यपाल रमेन डेका को मुख्यमंत्री साय ने दी होली की शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज राजभवन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भेंट कर होली की शुभकामनाएं दीं और राज्य हित से जुड़े विषयों पर चर्चा की. राज्यपाल डेका ने भी उन्हें होली की शुभकामनाएं दीं. इस दौरान राज्यपाल डेका को मुख्यमंत्री साय ने राजकीय गमछा पहनाकर सम्मानित किया.

25 फीट ऊंचाई से गिरकर मजदूर की मौत गुस्साए परिजनों ने मजदूरों के साथ किया प्रदर्शन

संवाददाता ● कोरबा

दो दिन पहले कुसमुंडा खदान में 25 फीट की ऊंचाई से गिरकर मजदूर की मौत हो गई थी. वहीं आज मृतक के परिजनों ने मजदूरों के साथ प्रदर्शन किया, जिसके बाद प्रबंधन ने मुआवजा राशि दी. वहीं मजदूरों ने कंपनी पर बड़ी लापरवाही का आरोप लगाया है. उन्होंने बताया कि बिना सुरक्षा उपकरणों के जोखिम भरे काम कराए जाते हैं.जानकारी के अनुसार, 11 मार्च को कोल वाशरी के कंपनी में बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 26 वर्षीय मजदूर किशन कुमार कोल शिफ्टिंग के ऊपर वेल्डिंग का काम कर रहा था।

इस दौरान वह 25 फीट ऊपर से नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. इस हादसे के बाद खदान में अफरा-तफरी मच गई. प्रबंधन ने मृतक के शव को मोर्चरी में रखवा दिया था, जिसके बाद परिजन शव लेने पहुंचे और गुस्साए मजदूरों के साथ कंपनी की लापरवाही को लेकर जमकर नारेबाजी की और प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया. मजदूरों का आरोप है कि खदान में सुरक्षा नियमों का पालन नहीं

किया जाता, जिससे आए दिन इस तरह के हादसे हो रहे हैं.मौके पर मौजूद मजदूरों ने बताया कि मृतक किशन कुमार बिना हेलमेट और सेफ्टी बेल्ट के वेल्डिंग कर रहा था, जिससे यह हादसा हुआ. यही नहीं, अन्य कई मजदूर भी बिना सुरक्षा उपकरणों के जोखिम भरा काम कर रहे थे, जिससे कंपनी की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है. मजदूरों का कहना है कि संबंधित विभाग सिर्फ औपचारिकता निभा रहा है और जब तक किसी की जान नहीं जाती, तब तक कोई कार्रवाई नहीं की जाती. आखिर इस लापरवाही का जिम्मेदार कौन है? कुसमुंडा थाना प्रभारी रूपक शर्मा ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है. वहीं कंपनी ने मृतक के परिवार को मुआवजा देने की घोषणा की है. मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

गंगालूर एरिया कमेटी डीवीसीएम दिनेश मोडियाम सहित 17 नक्सलियों ने किया समर्पण

अलग-अलग थानों में दर्ज हैं 26 अपराध और 82 स्थाई वारंट

संवाददाता ● बीजापुर

छत्तीसगढ़ सरकार के नक्सल नीति को बड़ी सफलता मिली है. गंगालूर एरिया कमेटी के डिवीजनल कमेटी मेंबर (ऊश्उट) दिनेश मोडियाम सहित 17 नक्सलियों ने समर्पण किया. आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर कुल 24 लाख का ईनाम है.दिनेश मोडियम का गंगालूर क्षेत्र में आतंक था. कई हत्याओं सहित अन्य घटनाओं में शामिल रहे दिनेश के साथ उसकी पत्नी ज्योति ताती ने भी समर्पण किया है।

दिनेश मोडियाम पर अलग-अलग थानों में 26 अपराध एवं 82 स्थायी वारंट लंबित है.समर्पित नक्सली कमांडर दिनेश ने इस

अवसर पर अपने अन्य साथियों से भी समर्पण करने की अपील की. उन्होंने देश के गृहमंत्री अमित शाह एवं डिप्टी सिएम विजय शर्मा की नक्सल नीति को बताया बेहतरीन जल्द माओवाद बीजापुर से समाप्त नजर आएगा. दिनेश ने बड़े कैडर के नक्सलियों पर लगाया भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि तेलंगाना के नक्सली स्थानीय आदिवासियों को बहला कर गुलाम रखना चाहते हैं, और बड़ी लेवी वसूली कर स्वयं ले जाते हैं. यही स्थानीय आदिवासियों को मुखबिर बता कर आदिवासी के हाथों ही मरवा देते हैं।

उन्होंने प्रदेश सरकार की समर्पण नीति को बेहतरीन बताते हुए नई जिंदगी जीने के लिए अच्छा बताया, साथ ही अन्य साथियों से समर्पण नीति का लाभ लेने की अपील करते हुए कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़ अब लोकतंत्र से जुड़ने का समय आ गया है।

अयुथया (थाईलैंड)। हाथी विश्व धरोहर शहर में अयुथया हाथी महल और रॉयल क्राल में राष्ट्रीय हाथी दिवस के अवसर पर आयोजित एक ऑल-यू-कैन-ईट बुफे के दौरान विभिन्न फलों और पौधों का आनंद लेते हैं। राष्ट्रीय हाथी दिवस की स्थापना 1998 में थाई सरकार द्वारा थाई हाथियों की रक्षा के प्रयास में की गई थी, जो एशियाई हाथी परिवार का हिस्सा हैं और एक लुप्तप्राय प्रजाति के रूप में वर्गीकृत हैं।

शॉर्ट न्यूज

कश्मीर में भारी बारिश, गुरेज घाटी में स्कूल बंद

जम्मू। कश्मीर घाटी के कई इलाकों में भारी बारिश का दौर जारी है। खराब मौसम के कारण अधिकारियों ने भारी बर्फबारी और हिमस्खलन के खतरे के कारण उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा की सुदूर गुरेज घाटी में तीन दिनों के लिए स्कूल बंद कर दिए हैं। रात और सुबह के समय कश्मीर घाटी के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में सुबह से ही भारी बारिश हुई। इस बीच, मौसम विभाग ने बताया है कि अगले तीन दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने वाला है। उसके बाद ही इसमें सुधार की संभावना है। उत्तरी कश्मीर में दोपहर तक भारी बारिश जारी रही। पुलिस ने बताया कि बारिश के कारण अनंतनाग जिले के पहलगाम के दक्षिणी इलाके में बांध ढह गया, जिससे तीन लोग मामूली रूप से घायल हो गए। अनंतनाग के एक पुलिस अधिकारी ने बताया, "इस घटना में किसी की जान या चोट नहीं आई है। अधिकारियों ने बताया कि बांदीपोरा जिले के गुरेज में सभी स्कूलों के प्रमुखों को खराब मौसम के कारण तीन दिनों के लिए शैक्षणिक संस्थान बंद करने को कहा गया है।

दोस्ती की आड़ में चीन ने कर दिया मालदीव संग खेल!

माले। चीन की दोस्ती मालदीव को भारी पड़ने लगी है। अंदेशा जताया जा रहा है कि मोहम्मद मुइज्जू के देश का भी हाल पाकिस्तान और श्रीलंका की तरह न हो जाए। दरअसल, चीन ने मालदीव को भारी भरकम कर्ज दिया हुआ है, जिससे अब द्वीप देश भारी आर्थिक संकट में घिरता जा रहा। मालदीव बढ़ते कर्ज संकट से जूझ रहा है, जो उसकी आर्थिक संप्रभुता के लिए खतरा बन गया है। मालीदव में विदेशी मुद्रा भंडार खतरनाक स्तर तक कम हो गया है, जबकि भारी ऋण चुकाने की गंभीर स्थिति बनी हुई है। मानवाधिकार अधिवक्ता और स्वतंत्र पत्रकार दिमित्रा स्टाइकौ द्वारा 'मीडियम' पर लिखे गए एक लेख के अनुसार, चीन की ऋण देने की प्रथाओं और व्यापार नीतियों ने द्वीप राष्ट्र की वित्तीय गिरावट को काफी हद तक बढ़ा दिया है।

हाईजैक जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को लेकर सस्पेंस बरकरार

बलूचिस्तान पहुंचे पीएम शरीफ, कानून-व्यवस्था की समीक्षा की

पाकिस्तानी सेना का बोल रही झूठ, अभी भी हमारे कब्जे में 150 बंधक : बीएलए

एजेंसी ● क्वेटा

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हाईजैक जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को लेकर सस्पेंस बरकरार है। पाकिस्तानी सेना का दावा है कि उसने रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया है तो दूसरी ओर बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) का कहना है कि ISPR द्वारा किए गए दावे झूठे हैं और पाक हार को छिपाने की नाकाम कोशिश कर रहा है। इसी बीच पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने गुरुवार को बलूचिस्तान के दौरे पर पहुंचे हैं, जहां उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की।

शहबाज शरीफ के साथ उपप्रधानमंत्री इशाक डार, संघीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार, संघीय योजना एवं विकास मंत्री अहसान इकबाल, संघीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री नवाबजादा मीर खालिद मगसी और अन्य लोग भी बलूचिस्तान पहुंचे हैं।

कई मोर्चों पर चल रही है लड़ाई

पाक पीएम के बलूच दौर के बीच बलूच लिबरेशन आर्मी ने बयान जारी कर कहा, 'ISPR द्वारा किए गए दावे झूठे है और पाक हार को छिपाने की नाकाम कोशिश कर रहा है। जमीनी हकीकत ये है कि कई मोर्चों पर लड़ाई जारी है और दुश्मन को भारी नुकसान और सैन्य क्षति हो रही है। पाक की सेना न तो युद्ध के मैदान में जीत हासिल कर पाई है और न ही अपने बंधक कर्मियों को बचाने में कामयाब हो पाई है। अभी भी हमारे कब्जे में 150 से अधिक बंधक हैं।

बीएलए का दावा

बीएलए ने दावा किया कि पाकिस्तानी राज्य और उसके प्रचार तंत्र ने जिन व्यक्तियों को बरामद करने का दावा किया है, उन्हें सच में बलूच लिबरेशन आर्मी ने ही अपने युद्ध नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के तहत रिहा किया था। इसके विपरीत पाकिस्तानी सेना अपने कर्मियों को बंधक बनाकर छोड़ कर प्रचार के जरिए से अपनी हार को छुपाती रहती है। बीएलए का दावा है कि जमीनी लड़ाई में विफल होने के बाद पराजित सेना ने निहत्थे नागरिकों पर हमला करके अपनी सैन्य लाचारी का बदला लेने के कोशिश में स्थानीय बलूच आबादी को निशाना बनाना शुरु कर दिया है।हमारा संघर्ष जीत तक जारी रहेगा।

इलाके के दौरे की चुनौती

बीएलए पाकिस्तान को जमीनी हकीकत स्वीकार करने की चुनौती देता है। अगर पाक सेना वाकई जीत का दावा करती है तो उसे स्वतंत्र पत्रकारों और निष्पक्ष स्रोतों को युद्धग्रस्त इलाकों में जाने की अनुमति देनी चाहिए ताकि दुनिया को पता चल सके कि पाकिस्तानी सेना को कितना नुकसान हुआ है।

पाक सेना का दावा

वहीं, पहले बुधवार रात को पाकिस्तानी इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (ISPR) के महानिदेशक अहमद शरीफ चौधरी की तरफ से कहा गया था कि सभी बंधकों को बचा लिया गया है और 33 BLA विद्रोहियों को मार डाला गया है। हालांकि, इस हादसे में 21 यात्रियों और चार सैनिकों की मौत हो गई।

बंधकों की 100 से ज्यादा लाशें!

वहीं, बीएलए ने डंके की चोट पर कहा है कि अभी भी 150 से ज्यादा लोग उनके चंगुल में है। लेकिन इस बीच पता चला है कि बोलान की पहाड़ियों पर 100 से ज्यादा शव पड़े हैं। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान सेना के ऑपरेशन के दौरान बोलान की पहाड़ियों से बड़ी तादाद में बंधकों के क्षत-विक्षत शव मिले हैं। इनमें से अधिकतर शव सैनिकों के हैं, जो छुट्टियों पर थे। मृतकों की कुल संख्या अभी भी रहस्य बनी हुई है। क्षेत्रीय सूत्रों ने पुष्टि की है कि बीएलए ने अभी भी पाकिस्तानी सेना के कई सैन्यकर्मियों को बंधक बना रखा है।

पंजाबी फौजी ने खोली पोल

इस बीच एक पंजाबी फौजी ने सेना की पोल खोल दी है। जफार एक्सप्रेस ट्रेन में बंधक रहे एक पंजाबी फौजी ने बताया है कि उसने अपनी आंखों से बलूच विद्रोहियों को कत्लेआम करते देखा है। पंजाबी फौजी ने बताया कि मैंने खुद 50 से 60 पाकिस्तानी सैनिकों को मरते देखा है, जिन्हें बीएलए के लड़ाकों ने मार गिराया। इस प्रत्यक्षदर्शी के बयान के बाद पाकिस्तान के झूठ के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है।

अटक गई अंतरिक्ष से सुनीता विलियम्स की वापसी, नहीं लॉन्च हो सका क्रू-10

एजेंसी ● वॉशिंगटन

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की धरती पर वापसी एक बार फिर से अटक गई है। अंतरिक्ष में 9 महीने से फंसी सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी की बड़ी उम्मीद थी। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा सुनीता की वापसी सुनिश्चित करने के लिए क्रू-10 नाम का एक स्पेसशिप लॉन्च करने वाली थी। लेकिन तकनीकी दिक्कतों की वजह से क्रू-10 की लॉन्चिंग को टालनी पड़ी। नासा ने कहा कि क्रू-10 में हाइड्रोलिक सिस्टम में दिक्कत की वजह से इसकी लॉन्चिंग रोकनी पड़ी।

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता की वापसी के लिए क्रू-10 महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका उद्देश्य क्रू-9 की जगह लेना है। क्रू-9 से ही अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर स्पेस गए हैं। नासा ने पहले कहा था कि क्रू-9 अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से तभी वापस आ सकता है जब क्रू-10 अंतरिक्ष में लॉन्च हो जाए।

गौरतलब है कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी में स्वयं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूचि ले रहे हैं। उन्होंने स्पेस एक्स के मालिक एलन मस्क को भी इसकी जिम्मेदारी दी है। ट्रंप ने कुछ ही दिन पहले कहा था कि बाइडेन ने सुनीता और बुच विल्मोर को अंतरिक्ष में ही छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि इस बारे में एलन मस्क से उनकी बात हुई है और वे मस्क ने इसके लिए हामी भर दी है।

इसके बाद मस्क की कंपनी स्पेस एक्स ने इस दिशा में काम शुरू किया था और क्रू-10 को लॉन्च करने वाली थी। लेकिन इसकी लॉन्चिंग एक बार फिर से टल गई है। नासा के अनुसार अब क्रू-10 की अगली लॉन्चिंग गुरुवार 17 मार्च को सकती है। हालांकि ये तारीख भी फिक्स नहीं है और मौसम समेत दूसरे फैक्टर पर ध्यान देना जरूरी होगा। क्रू-10, स्पेस एक्स के मानव अंतरिक्ष परिवहन प्रणाली का 10वां क्रू रोटेशन मिशन है।

बता दें कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर पिछले साल 5 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गई थी। उन्हें एक हफ्ते बाद वापस लौटना था, लेकिन बोइंग स्टारलाइनर में गड़बड़ी की वजह से वो वहां पर फंस गईं। दोनों एस्ट्रोनॉट्स बोइंग और नासा के जॉइंट क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन पर स्पेस गए थे। इसके बाद उन्हें वापस लाने की कई कोशिशें हो रही हैं।

रूसी सेना को मिली बड़ी सफलता : कुर्स्क क्षेत्र के सुदजा पर कब्जे का दावा

एजेंसी ● मॉस्को

रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। जंग में रूसी सेना को बड़ी कामयाबी मिली है। सेना ने कहा है कि उसने कीव द्वारा नियंत्रित कुर्स्क क्षेत्र के सबसे बड़े शहर सुदजा पर कब्जा कर लिया है। सुदजा पर कब्जे के लिए रूस और यूक्रेनी सेनाओं के बीच भीषण जंग चल रही थी। इससे पहले रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि उसके सैनिकों ने सुदजा के उत्तर और उत्तर-पश्चिम में

चार गांवों पर कब्जा कर लिया है। अगस्त 2024 में अचानक सीमा पार से किए गए हमले के बाद से यूक्रेनी सेना ने सुदजा पर कब्जा कर लिया था। हाल ही में रूस और यूक्रेन के बीच जंग में रूसी युद्ध ब्लॉगर्स ने बड़ा दावा किया था। ब्लॉगर्स ने दावा किया था कि रूसी स्पेशल फोर्स के जवान एक गैस पाइपलाइन के अंदर कई किलोमीटर पैदल चल कर गए जिससे वो कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों पर पीछे से हमला कर सकें। हमला करने वालों में उत्तर कोरिया के कुछ सैनिक भी शामिल थे।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन के साथ अब युद्धविराम से इनकार करना रूस के लिए विनाशकारी होगा। अमेरिकी वार्ताकार यूक्रेन के साथ संभावित युद्धविराम पर बातचीत के लिए रूस जा रहे हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब एक दिन पहले कीव ने सऊदी अरब के जेद्दा में हुई अमेरिकी अधिकारियों के साथ वार्ता में रूस के साथ 30 दिनों के युद्धविराम पर सहमति जताई है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)